राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,16 नवंबर 2022 वर्ष–5,अंक–289 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान बिरसा मुंडा हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का संवाहक बताते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और करोड़ों जनजातीय वीरों के सपनों को साकार करने के लिए देश आजादी के 'पंच प्रणों' की ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा- ÷जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से देश की आदिवासी विरासत पर गर्व व्यक्त करना और आदिवासी समुदाय के विकास का संकल्प उसी ऊर्जा का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा आज पूरा देश भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मना रहा है। मैं देश के महान क्रांतिकारी सपूत भगवान बिरसा मुंडा को सादर नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि 15 नवंबर की ये तारीख, भारत की आदिवासी परंपरा के गौरवगान का दिन है। मैं इसे अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं कि उसे 15 नवंबर (बिरसा मुंडा की जयंती) को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने का अवसर मिला। भगवान बिरसा मुंडा न केवल हमारी राजनीतिक आजादी के महानायक थे, बल्कि वे हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक भी थे।

● प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदाय के योगदान को याद किया और प्रमुख आदिवासी आंदोलनों और स्वतंत्रता के लिए युद्धों को याद किया। उन्होंने तिलक मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम, बुद्ध भगत के नेतृत्व में लरका आंदोलन, सिद्धू-कान्हू क्रांति, वेगड़ा भील आंदोलन, नायकड़ा आंदोलन, संत जोरिया परमेश्वर और रूप सिंह नायक, लिम्दी दाहोद युद्ध, मानगढ़ के गोविंद गुरु जी और अल्लूरी सीताराम राजू के के नेतृत्व में चलाए गए रम्पा आंदोलन को याद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज आजादी के पंच प्रणों के साथ भगवान बिरसा मुंडा सहित करोड़ों जनजातीय वीरों के सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के जरिए देश की जनजातीय विरासत पर गर्व और आदिवासी समाज के विकास का संकल्प इसी ऊर्जा का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समुदाय के योगदान को याद किया और प्रमुख आदिवासी आंदोलनों और स्वतंत्रता के लिए युद्धों को याद किया। उन्होंने तिलक मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम, बुद्ध भगत के नेतृत्व में लरका आंदोलन, सिद्धू-कान्हू क्रांति, वेगड़ा भील आंदोलन, नायकड़ा आंदोलन, संत जोरिया परमेश्वर और रूप सिंह नायक, लिम्दी दाहोद युद्ध, मानगढ़ के गोविंद गुरु जी और अल्लूरी सीताराम राजू के के नेतृत्व में चलाए गए रम्पा आंदोलन को याद किया।

प्रधानमंत्री ने तिलका मांझी सहित तमाम जनजातीय क्रांतिकारियों द्वारा चलाये गये आंदोलनों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के जनजातीय समाज ने अंग्रेजों, विदेशी शासकों और ताकतों को अपना सामर्थ्य दिखा दिया था।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ सालों में जनजातीय समाज को देश की प्रत्येक योजना और प्रयास की प्रेरणा रहे हैं। इसमें उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी संग्रहालयों और जन धन, गोवर्धन, वन धन, स्वयं सहायता समूह, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, मातृत्व वंदना योजना, ग्रामीण सड़क योजना, मोबाइल कनेक्टिविटी, एकलव्य स्कूल, एमएसपी जैसी योजनाओं का जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने आदिवासी समाज की वीरता, सामुदायिक जीवन और समावेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत को इस भव्य विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है। मुझे विश्वास है कि जनजातीय गौरव दिवस इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा।

51 सांसद और 71 विधायक पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में ED की ओर से दाखिल रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 51 सांसदों और 71 विधायकों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत केस दर्ज हैं। रिपोर्ट में यह साफ नहीं किया गया है कि इनमें से कितने मौजूदा सांसद या विधायक हैं और कितने पूर्व। मामले में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और व्यापारी विजय नायर भी आरोपी हैं। वहीं दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को CBI और ED को निर्देश दिया कि वे दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले की जांच के संबंध में प्रेस को जारी किए बयानों और विज्ञप्तियों को पेश करें।

मौजूदा और पूर्व सांसद-विधायक के खिलाफ कुल 121 केस

CBI की कोर्ट में पेश एक ऐसी ही रिपोर्ट में बताया गया है कि मौजूदा और पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ कुल 121 केस लंबित हैं। इनमें से 51 सांसद हैं। जिनमें 14 मौजूदा और 37 पूर्व संसद सदस्य हैं। 5 का निधन हो चुका है। इसके साथ ही CBI के समक्ष 112 विधानसभा सदस्यों के खिलाफ केस है। इनमें 34 मौजूदा और 78 पूर्व विधायक हैं जबकि 9 के निधन हो चुके हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 37 सांसदों के खिलाफ CBI जांच लंबित है।

भाजपा नेता ने दायर की है याचिका-सुप्रीम कोर्ट में दोनों जांच एजेंसियों की दाखिल रिपोर्ट जैसे तथ्य कोर्ट में वरिष्ठ वकील विजय हंसरिया द्वारा दायर रिपोर्ट में भी हैं। हंसारिया को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में न्यायमित्र नियुक्त किया है। दरअसल, कोर्ट में भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की है। इसमें सांसदों-विधायकों के खिलाफ मामलों में तेजी से सुनवाई की मांग की है। हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सांसदों के खिलाफ मामलों की सुनवाई में अत्यधिक देरी का उल्लेख किया है। कई तो 5 साल से ज्यादा समय से लंबित हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का 20 नवंबर को होगा मप्र में प्रवेश

इंदौर/भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र से 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। यहां बुरहानपुर से जिले से यात्रा की शुरुआत 23 नवंबर से होगी। यह यात्रा 28 नवंबर को इंदौर पहुंचेगी। यहां राजबाड़ा और बड़ा गणपति मंदिर में दर्शन कर राहुल गांधी विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद यात्रा एक दिसम्बर को उज्जैन पहुंचेंगी, जहां राहुल गांधी भगवान महाकाल के दर्शन करेंगे और यहां सभा का आयोजन भी किया जाएगा। मप्र में भारत जोड़ो यात्रा के प्रभारी पीसी शर्मा ने सोमवार को बताया कि राहुल गांधी भी भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र से 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश

करेगी। राहुल गांधी गीता टेक्सटाइल के पास, बोदरली, बुरहानपुर सीतापुर में नाइट स्टे करेंगे। इसके बाद 21 और 22 नवंबर को भारत जोड़ो यात्रा का ब्रेक रहेगा। अगले दिन 23 नवंबर को बुरहानपुर से यात्रा की शुरुआत होगी, जो 28 नवंबर को इंदौर पहुंचेगी। इंदौर आने पर 29 नवंबर को एक दिन का ब्रेक रहेगा और फिर 30 नवंबर को यात्रा बड़ा गणपति चौराहे से शुरू होगी और एक दिसंबर को उज्जैन पहुंचेंगी। यात्रा मध्य प्रदेश के छह जिलों में करीब 399 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद 5 दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश कर जाएगी।

गर्लफ्रेंड के 35 टुकड़े करने के मामले में पीड़ित लड़की श्रद्धा के पिता का सामने आया बड़ा बयान

नई दिल्ली। दिल्ली में अपनी गर्लफ्रेंड के 35 टुकड़े करने के मामले में पीड़ित लड़की श्रद्धा के पिता ने आरोपी आफताब के लिए की फांसी की मांग की है। पीड़ित लड़की के पिता ने इस मामले में कई अहम खुलासे किए। पिता का कहना है कि उन्हें अब भी यकीन नहीं है कि उनकी बेटी मर गई है या उनकी बेटी के साथ ऐसा कोई भयावह घटना हुई है। उनका कहना है कि जब तक बेटी की डेथ रिपोर्ट सामने नहीं आ जाती तब तक उन्हें ऐसी किसी घटना पर यकीन नहीं है हालांकि उन्होंने संदेह जताया है कि आरोपी आफताब कहीं झूठ बोल रहा है।

बता दें कि दिल्ली में 6 महीनें पहले एक वीभत्स घटना में एक व्यक्ति ने अपनी गर्लफ्रेंड जो उसकी लिव-इन पार्टनर थी आरोपी ने उसकी गला घोंटकर कथित रूप से हत्या कर दी, उसके शव के करीब 35 टुकड़े कर उन्हें लगभग 20 दिनों तक फ्रिज में रखा एवं एक के बाद एक कर उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में फेंक दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस मामले में मुंबई के 28 वर्षीय आफताब पूनावाला को

गिरफ्तार किया गया है तथा श्रद्धा वालकर (29) नामक महिला के शरीर के कुछ टुकड़े बरामद किये गए हैं।

पुलिस का कहना है कि इस अपराध में प्रयुक्त किया गया हथियार अभी बरामद नहीं हुआ है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-प्रथम (दक्षिण जिला) अंकित चौहान ने बताया कि मुंबई में काम करने के दौरान दोनों को एक दूसरे से प्यार हुआ और अपने परिवार वालों के विरोध के चलते वे अप्रैल आखिर या मई के पहले हफ्ते में दिल्ली आ गये। जब वे राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे थे तब मध्य मई में शादी को लेकर उनके बीच कहासुनी हुई जो तेज हो गयी तथा अफताब ने श्रद्धा का गला घोंट दिया। उन्होंने कहा कि फिर, उसने शव के टुकड़े किये और उन्हें शहर के अलग-अलग हिस्सों में फेंक दिया। आरोपी ने महिला के शव के इन टुकड़ों को फेंकने से पहले फ्रिज में रखा था।

चौहान ने बताया कि इस प्रेमी युगल के दिल्ली में रहना शुरू करने के कुछ दिन बाद मुंबई में महिला के पिता को अहसास हुआ कि उनकी बेटी लापता है और उन्होंने मुंबई पुलिस में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करावायी। पुलिस के अनुसार आरोपी को 5 दिनों के लिए हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

सुपरस्टार कृष्णा के निधन से तेलुगु फिल्म जगत सदमे में

हैदराबाद। तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार कृष्णा के निधन से तेलुगु फिल्म जगत सदमे में डूब गया। कृष्णा का मंगलवार सुबह 4 बजे हैदराबाद के कॉन्टिनेंटल हॉस्पिटल में निधन हो गया। रविवार देररात तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तेलुगू अभिनेता महेश बाबू के दिवंगत पिता कृष्णा के अंतिम दर्शन के लिए प्रशंसक उमड़ पड़े हैं। कृष्णा घट्टामनेनी का जन्म गुंटूर जिले के बुरा पालम में हुआ था। उन्होंने 340 से अधिक तेलुगु फिल्मों में काम किया। 79 साल के कृष्णा का करियर तीन दशकों से ज्यादा का रहा।

तेलुगू अभिनेता महेश बाबू के दिवंगत पिता कृष्णा के अंतिम दर्शन के लिए प्रशंसक उमड़ पड़े हैं। कृष्णा घट्टामनेनी का जन्म गुंटूर जिले के बुरा पालम में हुआ था। उन्होंने 340 से अधिक तेलुगु फिल्मों में काम किया।

उन्हें तेलुगू सिनेमा का पहला सुपरस्टार माना जाता है। साल 2016 में आई फिल्म श्री श्री में उन्हें आखिरी बार बड़े परदे पर देखा गया। उन्होंने राजनीति में भी किस्मत आजमाई और सांसद बने। उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पिछले महीने कृष्णा की पहली पत्नी और महेश की मां इंदिरा देवी का निधन हो गया था। सुपरस्टार कृष्णा के निधन से तेलुगु फिल्म जगत में शोक की लहर है। उनके आवास नानकरामगुड़ा के पास प्रशंसकों का तांता लगा हुआ है।

नलिनी श्रीहरन ने खुद को बताया कांग्रेसी, कहा- राजीव गांधी की हत्या के बाद दुखी था हमारा परिवार

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के 6 दोषियों में शामिल नलिनी श्रीहरन को 12 नवंबर को तमिलनाडु की जेल से रिहा कर दिया गया है। मंगलवार (15 नवंबर) को पत्रकारों से बात करते हुए नलिनी ने खुद को निर्दोष बताया हैं।

नलिनी ने पत्रकारों से बात करते समय कहा, कुछ लोग हमारी रिहाई का विरोध कर रहे हैं। हम एक कांग्रेसी परिवार हैं। जब इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या हुई, तो हमारा परिवार दुखी था और खाना तक नहीं खाया था। मैं यह स्वीकार नहीं कर सकती थी कि राजीव गांधी की हत्या में मेरा नाम लिया गया। मुझे इस दोष से मुक्त होना चाहिए। हमें नहीं पता कि

राजीव गांधी की हत्या किसने की।

नलिनी श्रीहरन ने की राज्य और केंद्र सरकार से अपील

नलिनी श्रीहरन ने मगंलवार को पत्रकार से बातचीत के दौरान राज्य और केंद्र सरकार से 4 श्रीलंकाई नागरिकों को रिहा करने की अपील भी की है। उन्होंने कहा, मैं राज्य और केंद्र सरकार से अपील करती हूं कि वे 4 श्रीलंकाई नागरिकों को रिहा करें, जो त्रिची विशेष शिविर में बंद हैं, जिसमें मेरे पति भी शामिल हैं। जेल से रिहा होने के बावजूद यह विशेष शिविर फिर से एक जेल की ही तरह है।

नलिनी श्रीहरन 12 नवंबर को हुई थी जेल से रिहा

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड की दोषी नलिनी श्रीहरन 3 दशक की कैद के बाद तमिलनाडु की जेल से रिहा हुई थी। नलिनी को उनके पति वी श्रीहरन उर्फ मुरगन से पहले रिहा किया गया। अपनी रिहाई के बाद नलिनी ने पत्रकारों से बात करते हुए खुद को निर्दोष बताया और कहा दृढ विश्वास ने उसे इतने वर्षों तक जीवित रखा।

नलिनी श्रीहरन केंद्र व राज्य सरकार का जताया आभार

वेल्लोर स्थित महिलाओं की विशेष जेल से रिहा होने के बाद नलिनी ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ रहना चाहती हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। मैं राज्य और केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने इस दौरान हमारी बहुत मदद की। उन्होंने आगे कहा कि मैं गांधी परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने की योजना नहीं बना रही हूं।

8 अरब हुई दुनिया की आबादी, 2023 तक चीन को पीछे छोड़ देगा भारत

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट कहती है कि मंगलवार को दुनिया की आबादी 8 अरब हो गई। लगातार बढ़ती जनसंख्या और कम होते संसाधनों के बीच यूएन की यह रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि वैश्विक जनसंख्या 2030 तक करीब 8.5 अरब, 2050 तक 9.7 अरब और 2100 तक 10.4 अरब तक पहुंच सकती है। इतना ही नहीं भारत की आबादी अगले साल 2023 तक चीन को पीछे छोड़ देगी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सोमवार को जारी वार्षिक विश्व जनसंख्या संभावना रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक जनसंख्या 1950 के बाद से अपनी सबसे धीमी दर से बढ़ रही है, जो 2020 में एक प्रतिशत से भी कम हो गई थी। यूएन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दुनिया की आबादी 8 अरब हो गई है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान एशियाई

देशों भारत और चीन का है। भारत और चीन दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। रिपोर्ट यह भी कहती है कि भारत साल 2023 तक आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा।

एक अरब बढ़ने में लगे 12 साल-यूएन की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 में वैश्विक आबादी 7 अरब थी। ऐसे में एक अरब की जनसंख्या बढ़ने में 12 साल लगे। इस बात की भी चिंता जताई गई है कि वैश्विक आबादी की रफ्तार बीते कुछ सालों से काफी धीमी रही है। ऐसा अनुमान है कि आबादी को 9 अरब तक पहुंचने में 15 साल और लग जाएंगे यानी 20237 तक दुनिया की आबादी 9 अरब हो जाएगी।

2050 तक 8 देशों पर केंद्रित होगी दुनिया की आबादी

यूएन की रिपोर्ट यह भी कहती है कि साल 2050 तक वैश्विक जनसंख्या में अनुमानित वृद्धि का आधे से अधिक केवल आठ देशों में केंद्रित होगा। ये देश कांगो, मिस्र, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और तंजानिया हैं। दुनिया के सबसे बड़े देशों में असमान विकास दर आकार के आधार पर उनकी रैंकिंग को फिर से व्यवस्थित करेगी।

2050 तक बढ़ेगी औसत उम्र

जनसंख्या वृद्धि आंशिक रूप से मृत्यु दर में गिरावट के कारण होती है। विश्व स्तर पर, 2019 में औसत उम्र 72.8 वर्ष थी। 1990 के बाद से लगभग 9 वर्षों की औसत उम्र में वृद्धि हुई। मृत्यु दर में और कमी के परिणामस्वरूप 2050 में वैश्विक स्तर पर औसत उम्र लगभग 77.2 वर्षों होने का अनुमान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रहम की रिहाई

परिपक्व व्यवस्था के न्याय का मानवीय चेहरा/

प्रियंका ने अपने निजी दुख से ऊपर उठकर उन्हें माफ करने की बात भी की थी। राहुल गांधी ने भी ऐसा कहा था। बहरहाल, परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि सुप्रीम कोर्ट ने उम्र कैद की सजा पाये दोषियों को रिहा करने के आदेश दिये। दरअसल, मृत्युदंड की सजा पाये एक अपराधी को कोर्ट ने मई में रिहा किया था।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में शामिल छह अपराधियों की शुक्रवार को हुई रिहाई के मायने गहरे हैं। निस्संदेह, मामले के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। यही वजह है कि कांग्रेस ने फैसले को गलत और अस्वीकार्य बताया है। हालांकि, श्रीलंका में अलग राज्य के लिए आंदोलनरत तमिल चरमपंथियों को लेकर तमिलनाडु में सहानुभूति का रवैया रहा है, जिसके चलते राज्य में इन्हें लेकर सहानुभूति भी थी। राज्य सरकार भी उनकी रिहाई की अपील कर चुकी थी। वैसे इन दोषियों को जेल में तीस साल से अधिक हो चुके थे। इनका जेल में आचरण सकारात्मक रहा और उनके गहन अध्ययन व पढ़ाई की भी खूब चर्चा हुई है। इतना ही नहीं, जेल में सजा पायी नलिनी श्रीहरन से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी। प्रियंका ने अपने निजी दुख से ऊपर उठकर उन्हें माफ करने की बात भी की थी। राहुल गांधी ने भी ऐसा कहा था। बहरहाल, परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि सुप्रीम कोर्ट ने उम्र कैद की सजा पाये दोषियों को रिहा करने के आदेश दिये। दरअसल, मृत्युदंड की सजा पाये एक अपराधी को कोर्ट ने मई में रिहा किया था। यही फैसला शेष कैदियों की रिहाई का आधार भी बना। निस्संदेह, तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदूर में 21 मई 1991 को हुई राजीव गांधी की हत्या ने पूरे देश को रुलाया था, ऐसे में पति-पिता के रूप में उन्हें खोने वाले गांधी परिवार को इसे भुलाना सहज नहीं था। उनकी रिहाई पर आई प्रतिक्रिया इसी की परिणति भी थी। बहरहाल, वक्त के साथ भरे जख्मों के बाद गांधी परिवार अपने दुखों से ऊपर उठकर कहने का साहस कर सका कि उसने अपराधियों को माफ कर दिया है। और रिहाई का आधार यह भी था कि दोषी अपनी उम्र का बड़ा हिस्सा जेल में बिता भी चुके थे और कुछ असाध्य रोगों से भी पीड़ित थे। जैसे कि उम्मीद थी, मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जो स्वाभाविक है क्योंकि इस दुख को पूरे देश ने महसूस किया था और गांधी परिवार के लिये इसे आसानी से भूलना संभव भी नहीं है। लब्बोलुआब यह कि शीर्ष अदालत का यह फैसला हमारी उदार न्याय व्यवस्था का उदाहरण है, जो दुनिया के कई देशों को न्याय के मानवीय पक्ष पर विचार करने को बाध्य करेगा। ऐसे में रिहा हुए लोगों का भी दायित्व बनता है कि इस उदार रिहाई के बाद समाज में उनका व्यवहार रचनात्मक हो। ताकि उनकी रिहाई पर फिर सवाल न उठ सकें। निस्संदेह, न्याय का चेहरा मानवीय व उदार होना चाहिए, लेकिन उसके दुरुपयोग की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। वहीं अदालत सतर्कता बरतते हुए ऐसे फैसलों को अपवाद स्वरूप ही रहने दे तो बेहतर होगा। इसकी वजह यह भी कही जा सकती है कि न्याय के फैसलों का तार्किक आधार ही होता है, न कि भावनात्मक। वहीं यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि दंड का मतलब सुधारात्मक होता है न कि अपराध के मुकाबले का दंड देना। बहरहाल, इस फैसले को जिम्मेदार लोकतंत्र की परिपक्व न्याय व्यवस्था के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

सूक्ति

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।
- प्रेमचंद

बच्चे कोरे कपड़े की तरह होते हैं, जैसा चाहो वैसा रंग लो, उन्हें निश्चित रंग में केवल डुबो देना पर्याप्त है। - सत्यसाई बाबा

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से)- मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से)- मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

आत्म निर्भरता एवं स्वदेशी अपनाकर चीन को आर्थिक क्षेत्र में दी जा सकती है मात

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 में वस्तुओं के आयात के मामले में एक बार पुनः भारत की निर्भरता चीन पर बढ़ी है। हालांकि पिछले 3 साल के दौरान भारत के चीन से आयात लगातार कम हो रहे थे परंतु वित्तीय वर्ष 2021-22 में चीन एवं भारत के बीच 11,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ है जो वित्तीय वर्ष 2020-21 में 8,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तुलना में कहीं अधिक है। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़े यह अच्छी बात हो सकती है परंतु चिंता का विषय यह है कि चीन से भारत में आयात बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और भारत से चीन को निर्यात उस गति से नहीं बढ़ पा रहे है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत में चीन से आयात 9,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है जो वित्तीय वर्ष 2020-21 में 6,530 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था। वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम दो माह में भी स्थिति संभलने के स्थान और अधिक बिगड़ी ही है, अर्थात इस दौरान चीन को भारत से निर्यात 31 प्रतिशत से घटा है और भारत में चीन से आयात 12.75 प्रतिशत बढ़ गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत के कुल व्यापारिक आयात में चीन की हिस्सेदारी बढ़कर 16.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोरोना महामारी के बाद भारत में चूंकि आर्थिक विकास बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है अतः कई वस्तुओं का आयात चीन से बहुत भारी मात्रा में किया जा रहा है। परंतु चीन अभी भी कोरोना महामारी से जूझ रहा है और चीन के कुछ प्रांतों में अभी भी लाक्डाउन लगाया जा रहा है अतः चीन में आर्थिक गतिविधियों में कमी आई है जिसके चलते भारत से चीन को निर्यात कम होता जा रहा है। कुछ समय पूर्व की गई एक रिसर्च के अनुसार, भारत चीन से कुल 6,367 उत्पादों का आयात कर रहा था। जिनका मूल्य 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर (कुल आयात का 15.3 प्रतिशत भाग) था। कई मदों में तो भारत कुल आयात का एक बड़ा भाग चीन से आयात कर रहा था। 893 उत्पादों का तो 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत भाग (759 करोड़ अमेरिकी डॉलर) चीन से आयात किया जा रहा था। इसी प्रकार 364 उत्पादों का 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत भाग (549 करोड़ अमेरिकी डॉलर), 386 उत्पादों का 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत भाग (909 करोड़ अमेरिकी डॉलर), 428 उत्पादों का 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत भाग (656 करोड़ अमेरिकी डॉलर), 476 उत्पादों का 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत भाग (972 करोड़ अमेरिकी डॉलर), 461 उत्पादों का 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत भाग (914 करोड़ अमेरिकी डॉलर), 550 उत्पादों का 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत भाग (890 करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं 706 उत्पादों का 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत भाग (524 करोड़ अमेरिकी डॉलर) चीन से आयात किया जा रहा था। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट रूप से झलकता है कि इन उत्पादों के आयात के मामले में भारत की चीन पर जरूरत से अधिक निर्भरता हो गई है। उक्त परिस्थितियां निर्मित करने में दरअसल देश की जनता ही अधिक जवाबदार है, क्योंकि देश के नागरिक विदेशी उत्पादों के पीछे दीवानगी की हद तक भागते हैं। और फिर, चीन के निम्न स्तरीय उत्पाद तो बहुत सस्ते दामों पर ही उपलब्ध हो जाते हैं। देश के व्यापारी बंधुओं ने भी इन उत्पादों का चीन से भारी मात्रा में आयात कर देश की जनता को उपलब्ध कराने में अपनी अहम भूमिका अदा की। इससे इन उत्पादों का भारत में निर्माण बंद हो गया। जिसके परिणामस्वरूप देश में रोजगार के कई अवसर नष्ट हो गए एवं कई कुटीर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बंद हो गए। हालांकि पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत के कई सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों जिनमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच भी शामिल है ने चीन में निर्मित वस्तुओं के स्थान पर भारत में निर्मित वस्तुओं के उपयोग करने की मुहिम चलाई थी, जिसका अच्छा परिणाम भी दिखाई देने लगा था और इसके चलते वित्तीय वर्ष 2017-18 के बाद से चीन से आयात लगातार कम हो रहे थे। जिसके परिणाम स्वरूप भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा जो वित्तीय वर्ष 2017-18 में 6,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था वह वित्तीय वर्ष 2018-19 में घटकर 5,356 करोड़ अमेरिकी डॉलर का, वित्तीय वर्ष 2019-20 में घटकर 4,866 करोड़ अमेरिकी डॉलर का और वित्तीय वर्ष 2020-21 में और भी घटकर 4,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया था। परंतु, वित्तीय वर्ष 2021-22 में पुनः बढ़कर 7,290 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। अब यह तथ्य किसी से छुपा नहीं है कि भारत द्वारा चीन से आयात बढ़ने से चीन की आर्थिक सुदृढ़ता मजबूत हो रही है और वह भारत के बॉर्डर पर भारत को ही आंख दिखा रहा है। अतः भारत को इस सम्बंध में अब पुनः विचार करने की आवश्यकता है कि किस प्रकार चीन से आयात की जाने वाली वस्तुओं का उत्पादन भारत में ही बढ़ाया जाय एवं चीन से इन वस्तुओं के आयात कम किए जा सकें। भारत में निर्यात प्रतिस्पर्धी उद्योग स्थापित किए जाने की आज महती आवश्यकता है। हालांकि हाल ही के समय में केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना इस सम्बंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। कुल मिलाकर इस सम्बंध में अब देश में गम्भीर प्रयास किए जाने की महती आवश्यकता है। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा हाल ही में जारी किए गए एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को लागू कर चीन से आयात को यदि 50 प्रतिशत से कम किया जा सके तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की जा सकती है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि भारतीय नागरिक भी अपनी सोच में गुणात्मक परिवर्तन लाएं एवं चीन के निम्न गुणवत्ता वाले सामान को केवल इसलिए नहीं खरीदें क्योंकि यह सस्ता है। इस प्रकार की सोच में आमूलचूल परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। भारत में निर्मित सामान, चाहे वह थोड़ा महंगा ही क्यों न हो, को ही उपयोग में लाया जाना चाहिए। ताकि भारत की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ाया जा सके एवं रोजगार के अधिक से अधिक अवसर भारत में ही उत्पन्न होने लगें। साथ ही, अब यदि भारत को आत्म निर्भर बनाने की स्थिति में लाना है तो हमें अपने मौलिक चिंतन में भी परिवर्तन करना होगा। आज यदि हम वैश्विक बाजारीकरण की मान्यताओं पर विश्वास करते हैं तो इस पर देश को पुनर्विचार करने की सख्त जरूरत है। चीन सहित अन्य देशों से हमें शुरुआती दौर में कम से कम उन वस्तुओं के आयात को बलपूर्वक रोकना चाहिए जिनका निर्माण हम भारत में ही आसानी से कर सकते हैं। इस बात पर भी अब चिंतन की आवश्यकता है कि चीन से हम किस हद तक के रिश्ते कायम रखें।

जल संकट : समझनी होगी बेशकीमती पानी की महत्ता

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

पिछले सप्ताह देश में जल सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें जल संरक्षण, जल के उपयोग एवं जल स्रोतों को संरक्षित करने के विषय पर चर्चा के लिए विभिन्न देशों के दो हजार से भी ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। जल सप्ताह के दौरान जल शोधन तथा जल को बचाने के लिए गंभीरता से चर्चा हुई। ग्रेटर नोएडा में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत जल सप्ताह का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कहना था कि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और सुरक्षित कल देने में सक्षम होने का एकमात्र तरीका जल संरक्षण ही है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पानी की कमी को लेकर व्याप्त संकट अकेले भारत की ही समस्या है बल्कि जल संकट अब दुनिया के लगभग सभी देशों की विकट समस्या बन चुका है। राष्ट्रपति का भी कहना था कि पानी का मुद्दा केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। इस अवसर पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का कहना था कि देश में जनसंख्या और जल की उपलब्धता में विषमता पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। देश में आज कई इलाके ऐसे हैं, जो जल संकट की भयावह स्थिति से गुजर रहे हैं। इसके अलावा कुछ राज्यों के बीच बरसों से पनप रहे जल विवाद भी समस्या को विकराल बनाते रहे हैं। इसीलिए उपराष्ट्रपति ने भारत जल सप्ताह के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्यों के बीच जल विवाद से कोई लाभ नहीं होगा और उन्हें जल विवादों से बचना चाहिए तथा इनका हल निकालना चाहिए। देश में जल संकट को लेकर अब जिस प्रकार की स्थितियां निर्मित होने लगी हैं, ऐसे में देश में हर साल जल सप्ताह मनाने की नहीं बल्कि पूरे साल 'जल वर्ष' मनाने की सख्त दरकार है। वर्ष 2018 में शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में भी पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले वर्ष चेन्नई में भी वैसी ही स्थिति देखी गई थी। महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष अब विशेषकर गर्मी के मौसम में तो जगह-जगह से पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में मारपीट या झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही कारण है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं। चिंताजनक स्थिति यह है कि दुनियाभर में पानी की कमी के कारण विभिन्न देशों में और भारत में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं। विभिन्न राज्यों के बीच पानी के बंटवारे के मामले में कई दशकों से गहरे मतभेद बरकरार हैं, जिस कारण राज्यों के आपसी संबंधों में तनातनी देखी जाती रही है। वर्तमान में भी जल वितरण का मामला अधर में लटका रहने से कुछ राज्यों में जलसंकट की स्थिति गंभीर बनी है। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब तो है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो लगातार बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में मैंने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में जल संकट गहराते जाने का प्रमुख कारण भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर ही है। हालांकि सर्वविदित तथ्य यही है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हर जगह पानी का दुरूपयोग होते दिखता है तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसी कारण वर्षा का पानी इन जलसोतों में समाने के बजाय बर्बाद हो जाता है। भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो पूरी तरह गायब हो गए हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण सवाल यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और अगर भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण न हो पाने के कारण ही इस पानी का भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। बहरहाल, केवल यह समझने से ही काम नहीं चलेगा कि वर्षा की एक-एक बूंद अनमोल है बल्कि इसे सहेजने के लिए भी देश के प्रत्येक व्यक्ति को संजीदा होना होगा। यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस प्रकार जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। जल संकट आने वाले समय में बेहद विकराल समस्या बनकर न उभरे, इसके लिए हमें समय रहते पानी की महत्ता को समझना ही होगा और हमें लोगों को जल संरक्षण के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिए वर्षभर जल सप्ताह जैसे ही आयोजन करते रहने होंगे।

(चिंतन-मनन)

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा। हम आवश्यक बातों को याद रखें और अनावश्यक बातों को भूलते चले जाएं। अपने कर्तव्य की विस्मृति शिक्षा की बहुत बड़ी बाधा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ई-स्कूटर को भारत में भी लॉन्च कर सकती होंडा

-इलेक्ट्रिक स्कूटर बेहद अट्रैक्टिव डिजाइन के साथ आया

नई दिल्ली। होंडा कंपनी यूरोपीय बाजारों के बाद ई-स्कूटर को भारत में भी लॉन्च कर सकती है। होंडा का यह इलेक्ट्रिक स्कूटर बेहद अट्रैक्टिव डिजाइन के साथ आया है। इसे अलग तरह से बनाने के लिए होंडा ने एक यूजफुल और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन को चुना है। इलेक्ट्रिक स्कूटर को शहर में छोटी राइड के लिए डिजाइन किया है।स्कूटर में एक बड़ा लगेज रैक है और इसमें एक 10 इंच का रियर व्हील मिलता है। आगे की तरफ 12 इंच का फ्रंट व्हील, फ्रंट डिस्क ब्रेक और टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क देखने को मिलते हैं। लाइटिंग ऑल-एलईडी है और इंस्ट्रूमेंट कंसोल एलसीडी है।स्कूटर में एक रिमूवेबल बैटरी मिलती है। कंपनी इसे मोबाइल पावर पैक कह रही है। एमपीपी एक स्वाइपेबल बैटरी है, जिसे घर पर चार्ज करने के लिए स्कूटर से हटाया जा सकता है। कंपनी ने दावा किया है कि यह एक बार चार्ज करने पर 40 किमी से ज्यादा चल सकता है। इसकी टॉप स्पीड 45 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है। मालूम हो कि होंडा कंपनी की प्लानिंग अगले दो साल में 10 इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करने की है।

आरबीआइ ने स्कूली बच्चों के लिए तैयार किया वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अन्य नियामकों के साथ मिलकर स्कूली शिक्षा बोर्ड के लिए एक वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम बनाया है। तीन राज्यों को छोड़कर बाकी सभी ने इसे अपने स्कूली पाठ्यक्रम में स्थान देने पर सहमति जताई है। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने यहां एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर हम स्कूली शिक्षा में बुनियादी वित्तीय साक्षरता को समाहित कर पाते हैं तो वह देश में वित्तीय साक्षरता के विस्तार के लिए काफी अच्छा होगा। शर्मा ने कहा कि इस वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने पर तीन राज्यों को छोड़कर अन्य ने सहमति दे दी है। इस कार्यक्रम को सभी वित्तीय नियामकों के साथ परामर्श के बाद तैयार किया गया है। शर्मा ने कहा कि जब भी पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण होगा, स्कूली शिक्षा बोर्ड इस साक्षरता कार्यक्रम को शामिल कर लेंगे। इस पाठ्यक्रम को खासतौर पर छठी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। केंद्रीय बैंक बैंकिंग प्रतिनिधि (बीसी) के समूचे ढांचे की समीक्षा कर रहा है क्योंकि यह व्यवस्था अपेक्षा के अनुरूप काम नहीं कर पाई है। इस दौरान बीसी की भूमिका और उनकी तरफ से दी जाने वाली सेवाओं से जुड़े माम बिंदुओं पर गौर किया जा रहा है।

सोना 53 हजार, चांदी भी 63 हजार के पार

नई दिल्ली। भारतीय वायदा बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी के भावों में तेजी देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज दोनों कीमती धातुएं हरे निशान में कारोबार कर रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव शुरुआती कारोबार में 0.11 फीसदी तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। कल सोने का भाव 0.71 फीसदी की तेजी के सथ बंद हुआ था। वहीं चांदी एमसीएक्स पर 0.16 फीसदी तेज है। कल भी चांदी की कीमत वायदा बाजार में 1.50 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुई थी। मंगलवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 60 रुपए मजबूत होकर 52,778 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोने का भाव 52,743 रुपए पर खुला था। खुलने के बाद एक बार यह 52,783 रुपए तक गया। कुछ देर बाद यह 52,778 रुपए पर कारोबार करने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का भाव तेज है। चांदी 100 रुपए बढ़कर 62,570 रुपए हो गई है। चांदी 62,550 रुपए पर खुली थी। एक बार भाव 62,525 रुपए तक चला गया लेकिन बाद में भाव थोड़ा संभलकर 62,570 रुपए हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव जारी है। कल जहां दोनों कीमती धातुओं के भाव गिरे थे, वहीं आज इनमें तेजी देखी जा रही है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का हाजिर भाव 0.44 फीसदी उछलकर 1,771.28 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव भी 1.92 फीसदी चढ़कर 22.01 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

सेंसेक्स 61,873 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर, निफ्टी 18,400 अंक के पार

मुंबई:

विदेशी निवेशकों की लिवाली और वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार भी मंगलवार को चढ़ गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 248 अंक की बढ़त के साथ अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। उतार-चढाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 248.84 अंक यानी 0.40 प्रतिशत चढ़कर 61,872.99 अंक पर बंद हुआ। इसी के साथ सेंसेक्स 11 नवंबर के अपने पिछले रिकॉर्डस्तर 61,795.04 अंक को पार कर गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,955.96 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 74.25 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,403.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, डॉ रेड्डीज और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फिनसर्व और नेस्ले के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट सोमवार को गिरावट में बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 91.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली का सिलसिला जारी है। उन्होंने सोमवार को 1,089.41 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे।

ओएनजीसी का मुनाफा 30 प्रतिशत घटकर 12,826 करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी ओएनजीसी का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 30 प्रतिशत घटकर 12,825.99 करोड़ रुपए रह गया। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसने 18,347.73 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। वहीं अप्रैल-जून की तिमाही की तुलना में जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 15.6 प्रतिशत गिर गया। पहली तिमाही में कंपनी ने 15,205.85 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। ओएनजीसी के लाभ में आई गिरावट के पीछे घरेलू पेट्रोलियम उत्पादों पर एक जुलाई से अप्रत्याशित लाभ कर लगाने के फैसले की अहम भूमिका रही है। इस कर से कंपनी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल एवं गैस के दाम में हुई बढ़ोतरी का उतना लाभ नहीं मिल पाया। इसका असर यह हुआ कि ओएनजीसी की आय कर दर घटकर 22 प्रतिशत पर आ गई जबकि पहले यह 30 प्रतिशत पर थी। इस पर अलग से अधिभार एवं उपकर भी लगते हैं।

आईफोन 15 अल्ट्रा की लागत 14 प्रो मैक्स से ज़्यादा

-आईफ़ोन की डिज़ाइन और कैमरा डिटेल भी लीक

नई दिल्ली।

एप्पल आईफोन 15 अल्ट्रा की लागत आईफोन 14 प्रो मैक्स के मुकाबले ज़्यादा होगी। यह संभावना जताई है इंडस्ट्री इंसाइडर लीक्सऐपलप्रो के ट्वीट में। टिप्सटर ने अपनी पोस्ट मे 15 अल्ट्रा की असल कीमत का खुलासा तो नहीं किया है, लेकिन लागत वाली बात से ये साफ है कि इसकी कीमत भी पहले आईफोन की तुलना में ज़्यादा होगा। ऐपल आईफोन 14 प्रो मेक्स का हाई-एंड मॉडल भारत में 1,89,900 रुपये की कीमत के साथ आता है। ट्वीट में आईफोन 15 अल्ट्रा की लागत की बात से साफ है कि बाज़ार में इसे ज़्यादा कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है। इससे ये सवाल उठता है कि क्या ऐपल इसे करीब 2 लाख रुपये में लॉन्च करेगा। ऐपल के आईफोन 15 सीरीज़ को लेकर कई और भी जानकारियां सामने आ चुकी है। मालूम हुआ है कि कंपनी आईफोन 14 प्रो मैक्स को हटा देगी, और आईफोन 15 सीरीज़ में सिर्फ आईफोन 15, आईफोन 15 प्रो और आईफोन 15 प्लस को पेश करेगी। ऐपल आईफोन 15अल्ट्रा को लेकर ये भी बात सामने आ रही है कि ये प्रीमियम टाइटेनियम बॉडी के साथ आएगा। टाइटेनियम न सिर्फ आने वाले ऐपल आईफोन 15 अल्ट्रा को प्रीमियम फील देगा बल्कि इसे स्टील के मुकाबले हल्का, मजबूत और स्क्रैच रेसिस्टेंट भी बनाएगा। इससे पहले अनालिस्ट मिंग ची कुओ ने भी नई सीरीज़ को लेकर नई जानकारी दी है। कुओ ने बताया है कि आईफोन 15 प्रो मॉडल नए 8पी या आठ एलिमेंट लेंस के साथ नहीं पेश किया जाएगा। इसमें भी कंपनी के सात-एलिमेंट लेंस मिलेंगे जो कि आईफोन 14 प्रो में भी मौजूद है। खास बात ये है कि जहां नए वर्जन में नया कैमरा अपग्रेड नहीं मिलेगा, वहीं ऐपल आईफोन 15 प्रो मेक्स को पेरिस्कोप ज़ूम लेंस के साथ पेश किया जा सकता है।

अडाणी के ऑफर को सेबी ने दी मंजूरी, खुली 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की राह

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने मीडिया फर्म न्यू डेल्ही टेलीविजन (एनडीटीवी) में 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की अडाणी समूह के ओपन ऑफर को मंजूरी दे दी है। यह ऑफर 22 नवंबर से शुरू होगा और 5 दिसंबर तक खुला रहेगा। बाजार नियामक की वेबसाइट पर दर्ज सूचना के मुताबिक, सेबी ने अडाणी समूह के प्रस्ताव पर अपना फाइनल कमेंट डाल दिया है और समूह की ओर से की गई 492.81 करोड़ रुपये की पेशकश को मंजूर कर लिया है। एनडीटीवी ने हाल में शेयर बाजार को दिए हलफनामे में बताया है कि प्रति शेयर 294 रुपये के भाव से ओपन ऑफर 22 नवंबर को शुरू होगा और 5 दिसंबर तक चलेगा। अभी तक यह डील इसीलिए अटकी हुई थी, क्योंकि कंपनी के ओपन ऑफर को सेबी ने मंजूरी नहीं दी थी। लेकिन, अब बाजार नियामक की मंजूरी मिलने के बाद डील पूरी होने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। अडाणी समूह के अगुवा गौतम अडाणी ने इस साल अगस्त महीने में विश्वप्रधान कॉमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) का 400 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया था। इस कंपनी ने करीब एक दशक पहले एनडीटीवी के फाउंडर्स को वारंट के बदले कर्ज दिया था, जिसके बदले कभी भी कंपनी में 29.18 फीसदी हिस्सेदारी लेने की डील हुई थी। अडाणी ने इस कंपनी को खरीदा तो यह हिस्सेदारी भी उनके पास चली गई। इसके बाद वीसीपीएल ने ओपन ऑफर के जरिये एनडीटीवी में 26 फीसदी और हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया और 17 अक्टूबर को इसकी जानकारी बाजार को दी। हालांकि, इस ऑफर को तक सेबी की मंजूरी नहीं मिली थी, लेकिन अब इसे मंजूरी मिल गई है और जल्द ही अडाणी समूह के पास एनडीटीवी में 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी हो जाएगी। वीसीपीएल ने एएमजी मीडिया नेटवर्क्स और अडाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ मिलकर 26 फीसदी हिस्सेदारी या 1.67 करोड़ शेयर खरीदने का ऑफर दिया था। अडाणी समूह ने 294 रुपए प्रति शेयर के भाव से ओपन ऑफर में स्टॉक खरीदने का मौका दिया है। अगर यह ओपन ऑफर पूरी तरह सब्सक्राइब होता है, तो समूह को 492.81 करोड़ रुपये मिलेंगे। अडाणी समूह ने शेयर बाजार को बताया है कि एनडीटीवी का अधिग्रहण मीडिया और ब्रॉडकॉस्ट पर जोर देने और अगली पीढ़ी का प्लेटफॉर्म बनाने के लिए किया गया है। इसके लिए एनडीटीवी एक उपयुक्त ब्रॉडकॉस्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

रॉयल एनफील्ड ने सुपर मेटयोर 650 से उठाया पर्दा

-कंपनी की प्रमुख क्रूजर मोटरसाइकिल है ये

नई दिल्ली ।

हाल ही में चल रहे ईआईसीएमए 2022 में रॉयल एनफील्ड ने सुपर मेटयोर 650 से पर्दा उठाया है। इस शानदार बाइक को जल्दी ही भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा। नई रॉयल एनफील्ड मेटयोर 650 एक अच्छी दिखने वाला क्रूजर बाइक है। ई रॉयल इनफील्ड सुपर मेटयोर 650 अब कंपनी की प्रमुख क्रूजर मोटरसाइकिल है। आगे की तरफ इसमें ऑल-एलईडी हेडलैंप, चंकी अपसाइड-डाउन फोर्क्स और टेन-स्पोक अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। मोटरसाइकिल में एक मस्कुलर फ्यूल टैंक, स्प्लिट सीट सेट-अप, ट्विन एग्जॉस्ट पाइप और एक एलईडी टेल लैंप भी है। रॉयल एनफील्ड मेटेओर 650 को दो मॉडल और तीन कलरवे में लॉन्च किया जाएगा, जिसे आगे सात कलर वेरिएंट्स में बांटा गया है। वे एस्ट्रल ब्लैक, एस्ट्रल ब्लू, एस्ट्रल ग्रीन, इंटरस्टेलर ग्रे, इंटरस्टेलर ग्रीन, सेलेस्टियल रेड और सेलेस्टियल ब्लू हैं। नई बाइक में 650सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो जो इंटरसेप्टर 650 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 में भी मिलता है। फीचर्स के बात करें तो इसमें आरई के ट्रिपर नेविगेशन सिस्टम सहित एक ट्विन-पॉड इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है, जिसे देश में वैकल्पिक एक्सेसरी के रूप में बेचा जा सकता है। नई बाइक को इसी महीने लॉन्च किया जा सकता है। डिलीवरी जल्द ही शुरू हो सकती है। हालांकि, इसकी क्रूजर विशेषताओं से मेल खाने के लिए इसे थोड़ा फिर से ट्यून किया गया है। यह 650 सीसी पैरेलल-ट्विन, एयर और ऑयल-कूल्ड मोटर सुपर मीटियर में 47 बीएचपी और 52 एनएम का पीक टॉर्क विकसित करता है, जिसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। रॉयल एनफील्ड मेटेओर 650 में 43एमएम यूएसडी फ्रंट फोर्क्स और रियर में एक मोनो-शॉक एब्जॉर्बर मिलता है। ब्रेकिंग के लिए मोटरसाइकिल में स्पोर्ट्स डिस्क एबीएस के साथ दोनों टायरों में मिलते हैं।

क्रेडिट कार्ड से मकान किराया देने पर एसबीआई वसूलेगा शुल्क

- नए बदलाव 15 नवंबर से प्रभावी हुए

नई दिल्ली ।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किए गए किराया भुगतान पर प्रोसेसिंग फीस लेगा। ग्राहकों को भेजे गए एक एसएमएस के अनुसा क्रेडिट कार्ड कंपनी क्रेडिट कार्ड के जरिए किए गए किराया भुगतान पर 99 रुपए और जीएसटी चार्ज करेगी। नए बदलाव 15 नवंबर से प्रभावी हो गए हैं। इसके अलावा एसबीआई कार्ड मर्चेंट ईएमआई ट्रांजैक्शन की प्रोसेसिंग फीस में भी बदलाव करने वाला है. पहले यह फीस 99 रुपए लगती थी जो अब बढ़कर 199 रुपए तक हो जाएगी। इसमे 18 फीसदी के हिसाब से जीएसटी भी लगेगा। इससे पहले आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने क्रेडिट कार्ड होल्डर्स से किराये का एक फीसदी प्रोसेसिंग फीस चार्ज करने का ऐलान किया था। प्रोसिसिंग फीस 20 अक्टूबर, 2022 से लागू हो चुकी हैं। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक के यूजर्स को क्रेडिट कार्ड के जरिए किराए भुगतान पर 500 लिमिटेड रिवॉर्ड प्वाइंट्स ही मिलेगा जबकि यस बैंक ने इस तरह के ट्रांजैक्शन को महीने में 2 बार सीमित कर दिया है। आमतौर पर पेटीएम, फ्रीचार्ज, मोबिक्विक, क्रेड, रेडजिराफ, माईगेट, मैजिकब्रिक्स जैसे थर्ड पार्टी ऐप हैं जो लोगों को क्रेडिट कार्ड के जरिए रेंट पेमेंट करने की अनुमति देते हैं। ये थर्ड-पार्टी ऐप क्रेडिट कार्ड के जरिए किराया भुगतान करने पर कन्वीनियंस फीस भी लेते हैं।

बीवाईडी ने भारत में लांच की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, एक बार चार्ज करने पर देगी 521 किमी की रेंज

नई दिल्ली ।

बिल्ड योर ड्रीम (बीवाईडी) ने सोमवार को भारतीय बाजार में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी बीवाईडी अट्टो 3 को लॉन्च कर दिया। आकर्षक लुक और दमदार इलेक्ट्रिक मोटर से सजी इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 33.99 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तय की गई है। चीन की वाहन निर्माता कंपनी बीवाईडी लंबे समय से इस एसयूवी को भारतीय बाजार में उतारने की तैयारी कर रही थी। कंपनी का दावा है कि जब से इस एसयूवी की बुकिंग शुरू की गई तब से अब तक 1,500 यूनिट्स की बुकिंग दर्ज की जा चुकी है। कंपनी ने बीते 11 अक्टूबर को इस इलेक्ट्रिक एसयूवी की आधिकारिक बुकिंग शुरू की थी। यह फाइव-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी कुल 4 रंगों में उपलब्ध है, जिसमें बोल्डर ग्रे, पार्कर रेड, स्की व्हाइट और सर्फ ब्लू शामिल हैं। बीवाईडी की तरफ से भारतीय बाजार में यह दूसरा निजी वाहन है, इससे पहले कंपनी ई6 इलेक्ट्रिक एमपीवी की बिक्री करती है, जिसकी कीमत 29.15 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। नई अट्टो 3 कंपनी के ब्लेड बैटरी टेक्नोलॉजी और ई-प्लेटफॉर्म 3.0 पर आधारित है। इसमें 60.48 किलोवाट क्षमता की बैटरी दी गई है, जिसको लेकर कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी महज 7.3 सेकेंड में ही 0 से 100 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड पकड़ने में सक्षम है। इसके अलावा एक बार फुल चार्ज होने के बाद एसयूवी 521 किलोमीटर तक का ड्राइविंग रेंज देती है जो कि एआरएआई सर्टिफाइड रेंज है। कंपनी का कहना है कि, फास्ट डीसी चार्जर से इसकी बैटरी महज 50 मिनट में ही 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। ये एसयूवी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी जैसे लेवल-2 एडीएएस से भी लैस है, जिसे आमतौर पर बीवाईडी लिपीलाट के नाम से भी जाना जाता है। फीचर्स के तौर पर इस एसयूवी में 7 एयरबैग, पैनोरमिक सनरूफ, 12.8 इंच ट्चस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम, एडॉप्टिव रोटेटिंग फंक्शन, 360-डिग्री होलोग्रॉफिक ट्रांसपैरेंट इमैजिंग सिस्टम, व्हीकल टू लोड मोबाइल पावर स्टेशन, वायरलेस चार्जिंग, वन-ट्च इलेक्ट्रिक टेलगेट, 8 स्पीकर और वॉयस कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं। बीवाईडी ने इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को स्टायलिश प्रोफाइलिंग देने की पूरी कोशिश की है, जो कि इसे थोड़ा फ्यूचरिस्टिक अपील देती है। इसके एक्सटीरियर में कंपनी ने आगे-पीछे दोनों तरफ एलईडी लाइट्स दी हैं।

स्टील कारोबार बेचेंगे अनिल अग्रवाल

मार्च के आखिर तक कंपनी पर 11.7 अरब डॉलर का कर्ज था

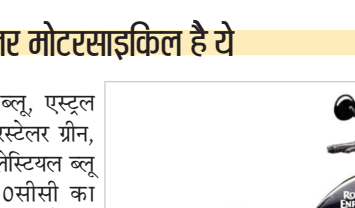

नई दिल्ली ।

दिग्गज माइनिंग कंपनी वेदांता लिमिटेड अपना स्टील कारोबार बेचने पर विचार कर रही है। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली इस कंपनी ने चार साल पहले इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स लिमिटेड खरीदकर स्टील कारोबार में तहलका मचा दिया था। वेदांता ग्रुप का जोर कर्ज घटाने और अपने मुख्य कारोबार पर फोकस करने का है। मार्च के ओ खिर तक कंपनी पर 11.7 अरब डॉलर का कर्ज था। इलेक्ट्रोस्टील को बेचने के लिए वेदांता ने कई स्टील कंपनियों से संपर्क साधा है। वेदांता ने 2018 में टाटा स्टील को पछाड़कर इलेक्ट्रोस्टील को 5,320 करोड़ रुपये में खरीदा था। सूत्रों की मानें तो वेदांता लिमिटेड ने आर्सेलरमित्तल निप्पोन स्टील, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड से संपर्क साधा है। साथ ही वित्तीय निवेशकों के एक ग्रुप को भी अप्रोच किया गया है। कई कंपनियों के उच्च अधिकारी वेदांता ग्रुप के अधिकारियों के साथ साइट विजिट भी कर चुके हैं। इनमें आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल भी शामिल हैं। वेदांता ग्रुप ने इस बारे में कहा कि वह बाजार की अटकलों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता है। आर्सेलरमित्तल और जेएसडब्ल्यू ने भी टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। टाटा स्टील के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी के पास अभी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। वेदांता ने 2018 में टाटा स्टील को पछाड़कर इलेक्ट्रोस्टील को 5,320 करोड़ रुपये में खरीदा था। क्रेडिटर्स ने इलेक्ट्रोस्टील को इनसॉल्वेंसी प्रोसेस में घसीटा था। खरीदने के बाद वेदांता ने इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स को डिलिस्ट कर दिया था। वेदांता ग्रुप के पास इलेक्ट्रोस्टील की 95.5 फीसदी हिस्सेदारी है। वेदांता लिमिटेड की पेरेंट कंपनी वेदांता रिसोर्सेज है जिसका मुख्यालय लंदन में है। अग्रवाल की फैमिली इनवेस्टमेंट कंपनी वेलकान की वेदांता रिसोर्सेज में 100 फीसदी हिस्सेदारी है। इलेक्ट्रोस्टील की सालाना क्षमता 15 लाख मीट्रिक टन है।

कच्चे तेल में तेजी, यूपी में पेट्रोल-डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 93.14 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान उछाल देखा गया है, जिसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी पड़ा। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार को यूपी के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है। गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल का भाव 7 पैसे चढ़कर 96.76 रुपए लीटर और डीजल का भाव 7 पैसे बढ़कर 89.93 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 35 पैसे महंगा होकर 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 33 पैसे महंगा होकर 89.75 रुपए लीटर रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल के दाम आज 21 पैसे बढ़कर 96.57 रुपए लीटर और डीजल 20 पैसे बढ़कर 89.76 रुपए लीटर पहुंच गया है। कच्चे चे तेल में पिछले 24 घंटे में भी बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 93.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्े ल्यूटीआई उछाल के साथ 85.26 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है. लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में ला सकती है सरकार: पुरी

नई दिल्ली।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए तैयार है लेकिन इस पर राज्यों के सहमत होने की संभावना कम है। पुरी ने श्रीनगर में कहा कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए राज्यों की सहमति जरूरी है और अगर राज्य इस दिशा में पहल करते हैं तो केंद्र भी इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही इसके लिए तैयार रहे हैं। यह मेरी समझ है। हालांकि दूसरा मुद्दा इसे लागू करने के तरीके का है। उस सवाल को वित्त मंत्री के समक्ष उठाया जाना चाहिए। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की लंबे समय से उठ रही मांग के बीच पेट्रोलियम मंत्री ने इस बात की आशंका जताई कि राज्यों के बीच इस पर सहमति बनने की संभावना कम ही है। उन्होंने कहा कि राज्यों के राजस्व का प्रमुख स्रोत शराब और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर लगने वाला टैक्स ही होता है। यह समझना अधिक मुश्किल नहीं है कि राज्यों को इनसे राजस्व मिलता है। राजस्व पाने वाला आखिर उसे क्यों छोड़ना चाहेगा? सिर्फ केंद्र सरकार ही महंगाई और अन्य बातों को लेकर फिक्रमंद रहती है। उन्होंने केरल हाईकोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले को जीएसटी काउंसिल में उठाने का सुझाव दिया गया था लेकिन राज्यों के वित्त मंत्री इस पर तैयार नहीं हुए। जहां तक जीएसटी का सवाल है तो हमारी या आपकी इच्छाएं अपनी जगह हैं, हम एक सहकारी संघीय व्यवस्था का हिस्सा हैं।

अगले टी20 विश्वकप के लिए पंड्या को कप्तान बनाये : श्रीकांत

टीम के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरु हो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि अगले सलाह 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को इस प्रारुप की कप्तानी सौंप देनी चाहिये ताकि वह अनुभव हासिल कर सकें। श्रीकांत के अनुसार न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से ही यह सिलसिला शुरु होना चाहिये। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से ही टीम के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर देनी चाहिये। भारतीय टीम को हाल में टी20 विश्वकप में करारी हार मिली थी जिसके बाद से इस प्रारुप की कप्तानी पंड्या को सौंपने की मांग हो रही थी।

श्रीकांत ने एक कार्यक्रम में कहा, यदि मैं चयन समिति का अध्यक्ष होता तो कहता कि पंड्या को विश्व कप 2024 के लिए कप्तान बनाया जाना चाहिये। साथ ही कहा कि टीम के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया तत्काल शुरु होनी चाहिये। न्यूजीलैंड सीरीज से ऐसा होता है तो यह और भी अच्छा रहेगा।

श्रीकांत ने कहा, आपको अगले विश्वकप की तैयारी अभी से ही शुरु करनी होगी। इसके लिए आपको कुछ चीजों को समझना होगा। आप जो कुछ भी करना चाह रहे हैं, चाहे वह किसी तरह का प्रयोग हो या कुछ और, उसे एक साल के अंदर ही शुरुकर दें और फिर 2023 तक टीम तैयार कर दें। यह पक्का करें कि यह टीम विश्व कप में खेलेगी। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इस दौरान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में हार्दिक पंड्या टी20 टीम की कप्तानी करेंगे। श्रीकांत के अनुसार भारतीय टीम को 2024 में होने वाले विश्वकप के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को भी तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि जीत के लिए आपके पास तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होना जरुरी है। टीम ने 1983 , 2011 और 2007 में जब जीत दर्ज की थी तब उसके पास विश्व कप पर गौर करिए। हमने इनमें क्यों जीत दर्ज की, क्योंकि हमारे पास अधिक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर थे।

चीन में कोरोना की मौजूदा स्थिति के कारण बीडब्ल्यूएफ फाइनल इस देश में हुआ स्थानांतरित

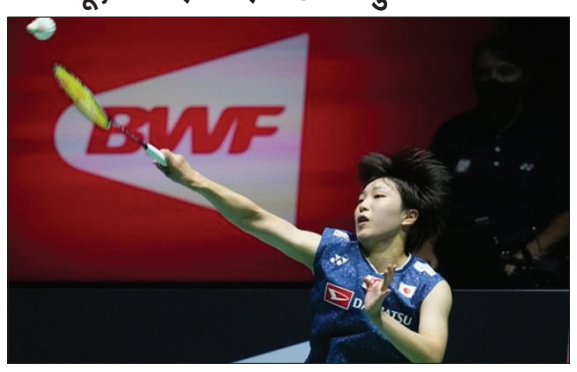

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

चीन में कोरोना महामारी की मौजूदा स्थिति के कारण बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2022 को ग्वांगझू से बैंकॉक स्थानांतरित कर दिया गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने मंगलवार को यह घोषणा की। बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि टूर्नामेंट को थाईलैंड के बैंकॉक में निमिबुत्र एरिना में स्थानांतरित कर दिया गया है। स्टेडियम की उपलब्धता और स्थान में बदलाव के कारण फाइनल का आयोजन ग्वांगझू के लिए निर्धारित तारीखों से एक सप्ताह पहले, सात से 11 दिसंबर तक होगा। बीडब्ल्यूएफ ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''बीडब्ल्यूएफ ने चीनी बैडमिंटन संघ (सीबीए) के परामर्श से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2022 को स्थानांतरित करने पर सहमति जताई, क्योंकि मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण विभिन्न चुनौतियां सामने आई हैं।' बयान में कहा गया,''बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2022 के लिए इतनी देर से सूचना देने पर भी जगह उपलब्ध कराने के लिए बीडब्ल्यूएफ, थाईलैंड बैडमिंटन संघ को धन्यवाद देना चाहता है।'

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग में प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष आठ खिलाड़ियों और जोड़ियों को प्रतिस्पर्धा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। एक सदस्य संघ से अधिकतम दो खिलाड़ी या दो जोड़ियां टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिये योग्य होंगी। वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले एथलीटों की सूची की पुष्टि 22 नवंबर को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के समापन के बाद की जाएगी, जो सिडनी के क्वे सेंटर में 15-20 नवंबर तक होने वाला है।

पोलार्ड अब मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच होंगे

मुंबई (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के आक्रामक क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अलविदा कह दिया है। पोलार्ड ने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि मुम्बई इंडियंस ने उन्हें निलामी से पहले ही बाहर कर दिया था। अब पोलार्ड टीम के नए बल्लेबाज कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। पोलार्ड को 2010 में मुंबई इंडियंस ने खरीदा था, तब से वह इसी टीम में थे। संन्यास के बाद जारी बयान में उन्होंने कहा, %यह फैसला करना आसान नहीं था क्योंकि मैं कुछ और वर्षों तक खेलना चाहता था पर मुंबई इंडियंस के साथ संवाद के बाद मैंने अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहने का फैसला किया है। मैं भी मानता हूं कि अब इस टीम में बदलाव की जरूरत है और ये भी सही है कि मैं इस टीम के अलावा अन्य टीमों के लिए नहीं खेलना चाहता।

इस साल आईपीएल में खराब प्रदर्शन के आद मुंबई इंडियंस ने पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया था। कप्तान रोहित शर्मा, डेवल्ड ब्रेविस, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, डेनियल सैम्स, टिम डेविड, जोफ्रा आर्चर, जसप्रीत बुमराह, ट्रिस्टन स्टब्स और तिलक वर्मा को ही अगले सत्र के लिए रखा गया है जबकि फैबियन एलेन, कायरन पोलार्ड, टायमल मिल्स, मयंक मारकंडे और ऋतिक शौकिन को बाहर कर दिया गया है।

पोलार्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 123 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 26 से कुछ अधिक की औसत से 2706 रन बनाने के अलावा 55 विकेट लिए हैं। उन्होंने 101 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 1569 रन बनाए और 44 विकेट हासिल किए।

भारत के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित , मिल्ने की वापसी

दोनो ही प्रारुपों में कप्तानी करेंगे विलियमसन , बोल्ट-गप्टिल बाहर हुए

वेलिंगटन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ 18 नवंबर से शुरु होने वाली क्रिकेट सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल को शामिल नहीं किया गया है। केन विलियमसन दोनो ही प्रारुपों टी20 और एकदिवसीय की कप्तानी करेंगे। वहीं एकम मिल्ने की पांच साल बाद एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। वह साल 2017 के बाद से अपना पहला वनडे मैच खेलेंगे। हाल ही में ट्राई सीरीज और पिछले साल यूएई में हुए आईसीसी टी-20 विश्व कप के दौरान उनकी टी-20 में वापसी हुई थी जबकि केन्द्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद बोल्ट को दोनों टीमों से बाहर कर दिया गया है। इस दौरे के लिए मेहमान भारतीय टीम ने पहले ही अपने दल की घोषणा कर दी थी। टी-20 विश्व कप में भारत और न्यूजीलैंड दोनो को ही सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में दोनो का ही प्रयास अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा।

इस दौरे में पहले टी20 सीरीज होगी। तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 18 नवंबर को खेला जाएगा। यह मैच वेलिंगटन के स्काई स्टेडियम में होगा। वहीं 20 और 22 तारीख को दूसरा और तीसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेला जाएगा। इसके बाद 25, 27 और 30 नवंबर को तीन एकदिवसीय मुकाबले खेले जाएंगे। भारत ने इस सीरीज के लिए हार्दिक पंड्या को टी20 जबकि शिखर धवन को एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया है।

दोनो ही प्रारुपों के लिए न्यूजीलैंड टीम इस प्रकार है

केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी (वनडे), टॉम लैथम (वनडे विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, ईश सोढ़ी (टी20), टिम साउदी, ब्लेयर टिकनर।

2023 सत्र के बाद आईपीएल को अलविदा कह सकते है धोनी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी 2023 सत्र के बाद आईपीएल से भी संन्यास ले सकते हैं। ऐसे में धोनी को बीसीसीआई कोई अहम भूमिका दे सकती है। पिछले साल यूएई में हुए टी20 विश्व कप के दौरान भी वे सलाहकार के तौर पर टीम से जुड़े हुए थे। ऐसे में एक बार फिर धोनी को बोर्ड नई जिम्मेदारी देने पर विचार कर रहा है। भारतीय टीम के पूर्व कोच अनिल कुंबले ने टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदशन के बाद सीमित ओवरों और टेस्ट प्रारुप के लिए अलग-अलग कप्तान बनाने की सलाह दी है। इसी को देखते हुए धोनी को सहायता के लिए टी20 और वनडे टीम के साथ जोड़ा जा सकता है। धोनी को 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का अनुभव है। आईपीएल 2022 की बात करें, तो टी20 लीग के शुरू होने से पहले धोनी ने कप्तानी छोड़ दी थी तब रवींद्र जडेजा को यह जिम्मेदारी दी गई थी पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। ऐसे में धोनी को एक बार फिर से टीम की कप्तानी संभालनी पड़ी भी। आईपीएल के पिछले सत्र से टीमों की संख्या 8 से बढ़कर 10 हो गई है।

लवलीना ने कहा, एशियाई चैंपियनशिप का स्वर्ण फॉर्म फिर से हासिल करने में मदद करेगा

नई दिल्ली। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने सोमवार को एशियाई चैम्पियनशिप में मिले स्वर्ण को 'काफी महत्वपूर्ण' बताते हुए कहा कि नये भारवर्ग में अपने पहले टूर्नामेंट से उसे खोया फॉर्म हासिल करने में मदद मिलेगी। लवलीना तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद से खराब फॉर्म से जूझ रही थी। उन्होंने पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखकर भारवर्ग 69 से 75 किलो कर लिया। जोर्डन के अम्मान में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना ने स्वदेश लौटने के बाद कहा ,''यह स्वर्ण मेरे लिये काफी मायने रखता है। यह बहुत महत्वपूर्ण है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढेगा।'' उन्होंने कहा ,'' यह नये भारवर्ग में मेरी पहली चैम्पियनशिप थी और मैने स्वर्ण जीता। मुझे पता है कि मैं सही दिशा में जा रही हूं। मैं फॉर्म हासिल कर रही हूं और सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश में हूं। यह जीत काफी मायने रखती है।'' लवलीना ने कहा ,'' मैने पिछले साल ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। मैं हर चैम्पियनशिप में अच्छे प्रदर्शन की कोशिश में हूं। मेरा पहला लक्ष्य अगले साल दिल्ली में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है।

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की 23 सदस्यीय पुरूष हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह आगामी आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारत की 23 सदस्यीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान होंगे। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को टीम की घोषणा की। भारतीय टीम 26 नवंबर से एडीलेड में शुरू हो रहे दौरे पर पांच मैच खेलेगी जो अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के लिये अहम है। एफआईएच विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जाएगा।अमित रोहिदास को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने एक विज्ञप्ति में कहा,''आगामी आस्ट्रेलिया दौरा एफआईएच हॉकी विश्व कप 2023 के प्रबल दावेदारों में से एक के खिलाफ खुद को जांचने का सुनहरा मौका है।' उन्होंने कहा,''हमने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवाओं को भी चुना है ताकि अपनी टीम की गहराई का आकलन कर सकें।'

फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक और सुखजीत सिंह होंगे जबकि मध्यक्रम की कमान गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और सुमित संभालेंगे। डिफेंस का जिम्मा वरूण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मनदीप मोर और नीलम संजीप सेस पर होगा। हाल ही में एफआईएच प्रो लीग में न्यूजीलैंड पर मिली दोहरी जीत में हरमनप्रीत टीम के कप्तान थे । स्पेन के खिलाफ मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था।

भारतीय टीम

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पी आर श्रीजेश

डिफेंडर : वरूण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, मनदीप मोर और नीलम संजीप सेस

मिडफील्डर: गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और सुमित

फॉरवर्ड: मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक और सुखजीत सिंह

जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वीजा मिलना तय

मेलबन। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को जनवरी में निर्वासित किए जाने के बावजूद अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वीजा मिलना तय है। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने मंगलवार को कहा कि उसने समाचार पत्रों की रिपोर्टों की पुष्टि की है कि आव्रजन मंत्री ने जोकोविच का संभावित तीन साल के प्रतिबंध के फैसले को पलट दिया है। ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने इससे पहले कहा था कि कुछ परिस्थितियों में प्रतिबंध अवधि को खत्म किया जा सकता है। आव्रजन मंत्री एंड्रयू जाइल्स के कार्यालय ने निजता के आधार पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

सर्बिया के 21 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब के बचाव का मौका नहीं मिल पाया था क्योंकि कोविड-19 का टीकाकरण नहीं कराने के कारण उन्हें 10 दिन तक चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद ऑस्ट्रेलिया से निष्कासित कर दिया गया था।

शोएब मलिक ने पत्नी सानिया मिर्जा को जन्मदिन की बधाई दी, तलाक की अटकलों पर लगाई लगाम

मुंबई। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक के तलाक की अटकलों के बीच मंगलवार को पत्नी सानिया के 36वें जन्मदिन पर उनके पति शोएब मलिक ने उन्हें बधाई दी हैं। उनके इस बधाई संदेश से पहले दोनों के नए शो मिर्जा मलिक शो की भी जानकारी सामने आई थी। सानिया छह युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकी हैं जिसमें महिला युगल में तीन और इतने ही मिश्रित वर्ग में जीते हैं। मलिक ने साइना को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में शोएब और सानिया एक दूसरे की और बड़े प्यार से देख रहे हैं और इस तस्वीर को शेयर करते हुए शोएब ने कैप्शन मे लिखा, 'सानिया मिर्जा आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपके स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना! दिन का पूरा आनंद लें...'

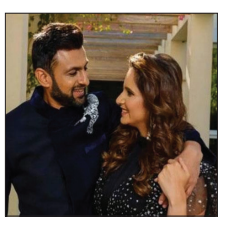

स्टार जोड़ी के प्रशंसकों द्वारा शुभकामनाओं की बहुत सराहना की गई, जिन्होंने कहा, यह इस बात का प्रमाण था कि इस जोड़ी के बीच सब कुछ ठीक चल रहा है। इस कपल ने 2010 में शादी की थी और उनका एक बेटा भी है। शादी के बाद कपल दुबई चला गया था। सोशल मीडिया पर एक प्रशंसक ने लिखा, 'आप लोगों को एक साथ देखकर वाकई खुशी हुई। अफवाहें फैलाने वाले सभी लोगों के लिए एक शानदार शटअप कॉल। गौर हो कि पिछले दिनों पाकिस्तान मीडिया में यह खबरें चर्चा का विषय बनी हुई थी कि इस कपल के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है और दोनों जल्द ही तलाक लेने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शोएब मलिक पिछले कुछ समय से मॉडल आयशा उमर को डेट कर रहे थे और उन्होंने पत्नी सानिया मिर्जा को धोखा दिया था, तभी से दोनों के रिश्ते के बीच खटास आने की खबरें सामने आई थी। वहीं दोनों के करीबी दोस्त ने कपल के तलाक की पुष्टि की थी। दोस्त ने कहा था कि दोनों जल्द ही तलाक लेने वाले है और इससे पहले दोनों ने अलग-अलग रहना भी शुरू कर दिया है।

श्रीकांत ऑस्ट्रेलियाई ओपन से हटे, समीर, मिथुन पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया। श्रीकांत से पहले लक्ष्य सेन और युगल विशेषज्ञ सात्विक साइराज रंकीरेड्डी एवं चिराग शेट्टी की जोड़ी भी 180,000 डॉलर पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट से हट चुके है। 'रेस टू ग्वांग्झू' रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को सत्र के आखिर में दिसंबर में होने वाले विश्व टूर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस टूर्नामेंट को जीतना होगा। राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले इस 29 साल के खिलाड़ी ने टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। उन्होंने भारत को थॉमस कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीकांत ने अपना पिछला टूर्नामेंट जर्मनी के सारब्रकन में हायलो ओपन में खेला था और वह इसमें सेमीफाइनल में पहुंचे थे। वह इस सत्र में कोरिया ओपन और स्विस ओपन के अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे थे। श्रीकांत के टूर्नामेंट से हटने से यह साफ हो गया विश्व टूर फाइनल्स में भारत की ओर से सिर्फ एच एस प्रणय दावेदारी पेश करेंगे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पहले ही विश्व टूर फाइनल्स से अपना नाम वापस ले चुकी है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भारत की चुनौती का नेतृत्व समीर वर्मा करेंगे, जो लंबी चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। वह नाथन टैंग के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। विश्व रैंकिंग में पूर्व में 11वें स्थान पर रहे समीर ने बीडब्ल्यूएफ के तीन टूर्नामेंट स्विस ओपन, हैदराबाद ओपन और सैयद मोदी इंटरनेशनल जीते है। कोविड-19 के कारण खेल को रोके जाने के बाद से उन्होंने अपनी लय गंवा दी और लगातार चोट से परेशान रहे। ऑरलियन्स मास्टर्स सुपर 100 स्पर्धा के अलावा नागपुर और बेंगलुरु में दो अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचने वाले मिथुन मंजूनाथ यहां दूसरी वरीयता प्राप्त सिंगापुर के लोह कीन यू के खिलाफ अपने अभियान को शुरू करेंगे। महिला एकल में तान्या हेमंत के सामने मलेशिया की गोह वेई और अनवेशा गौड़ा के सामने स्थानीय खिलाड़ी पिचाया एलिसिया विरावोंग की चुनौती होगी। युगल वर्ग में सिमरन सांघी और रितिका ठक्कर की महिला जोड़ी के अलावा पुरुषों में हरिहरन अमसाकरुनन और रुबन कुमार रथीनसबपति की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी।

टेस्ट ओर सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग टीम बनायें : कुंबले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा है कि टेस्ट ओर सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग टीमें बनायी जानी चाहिये। कुंबले के अनुसार लाल और सफेद गेंद वाले मुकाबलों के लिए अगल-अलग टीमों के होने से आसानी होगी। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह और भी जरुरी लगता है। कुंबले ने कहा है, 'निश्चित रूप से, आपको अलग टीमों की जरूरत है। आपको टी20 के विशेषज्ञ खिलाड़ियों की जरूरत है।' कुंबले ने साथ ही कहा कि टीम इंडिया को ऑलराउंडरों की तलाश पर अधिक ध्यान देना चाहिये। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड ओर पिछले बार की विजेता ऑस्ट्रेलिया ने दिखाया है कि बहुत सारे ऑलराउंडरों के होने से टीम को लाभ होता है। बल्लेबाजी क्रम पर ध्यान दें तो लियाम लिविंगस्टोन नंबर 7 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। सातवें नंबर पर लिविंगस्टोन जैसा बल्लेबाज अन्य किसी टीम के पास नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए मार्कस स्टोइनिस नंबर 6 पर आते हैं। इसी प्रकार की टीम हमें भी बनानी होगी। इसके लिए ऑलराउंडरों पर जोर देना होगा।'

उन्होंने कहा कि एक अलग कप्तान या कोच की जरुरत नहीं है पर टीम का चयन सबसे अहम है। कुंबले ने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकता कि आपको एक अलग कप्तान की जरूरत है या एक अलग कोच की। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस टीम को चुनने जा रहे हैं और फिर इस चीज को चुनें कि आप किस का समर्थन करेंगे और किसे अधिक से अधिक अवसर देंगे।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लॉ में किया है ग्रेजुएशन तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

करियर के रूप में लॉ देश में विस्तृत रूप से फैला हुआ एक प्रेफेशन है जो सोसाइटी के लिए कार्य करता है। लॉ प्रोफेशनल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य का कार्य करता है। लॉ की पढ़ाई करने के बाद युवाओं के लिए करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं जिसकी मदद से स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। केवल करियर ही नहीं बल्कि इस प्रोफेशन में सम्मान भी बहुत मिलता है। अगर आप भी लॉ की पढ़ाई करने का विचार कर रहे हैं तो जान लें किन क्षेत्रों में आप करियर बना सकते हैं।

क्रिमिनल लॉयर

आपराधिक मामलों के लिए अदालत में अपने मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व क्रिमिनल लॉयर ही करता है। वे स्थानीय अदालत, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में अपने मुवक्किल के लिए अदालत में मामले पेश करते हैं। भारत में एक क्रिमिनल लॉयर को औसतन 7 लाख प्रतिवर्ष सैलरी मिलती है। जहां फ्रेशर को प्रतिवर्ष औसतन 2 लाख रुपये और अनुभवी लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 30 लाख रुपये तक सैलरी तक मिल सकती है।

कॉरपोरेट लॉयर

कॉरपोरेट लॉयर कंपनियों को उनके इंडस्ट्री के नियमों का पालन करने में मदद करते हैं। वे कंपनी के गठन और मैनेजमेंट से संबंधित सभी कानूनी प्रक्रियाओं में अपने क्लाइंट की सहायता करने के लिए जिम्मेदार हैं। कॉर्पोरेट लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 6.9 लाख रुपये मिलते हैं।

ज्यूडिशियल सर्विस

लॉ करने के बाद सरकारी नौकरी के भी उतने ही अवसर हैं। अगर आपने लॉ में ग्रेजुएशन किया है और आप सरकारी नौकरी में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए ज्यूडिशियल सर्विस के रास्ते खुले हैं। इसके लिए आपको राज्यों द्वारा आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा में चयनित होने के बाद 2.2 लाख प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी और साथ ही अन्य सुविधाएं भी दिए जाएंगे।

लीगल पत्रकार

अगर आप लीगल मुद्दों पर लिखने का शौक रखते हैं और पत्रकारिता को करियर के रूप में चुनना चाहते हैं तो आपके लिए लीगल पत्रकार के रूप में करियर का बेहतर ऑप्शन मौजूद है। इस क्षेत्र में करियर के लिए आपके पास बेहतर कम्यूनिकेशन और राइटिंग स्किल्स होनी चाहिए। बेहतर अवसरों के साथ यह करियर का बेहतर और बेहद अलग ऑप्शन हो सकता है। एक लीगल पत्रकार भारत में प्रतिवर्ष 3.7 लाख रुपये की सैलरी के शुरुआत कर सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं। इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं।

बेहतरीन करियर ऑप्शन है इंटीरियर डिजाइनिंग

सीमित स्थान में घर, दफ्तर, मॉल या किसी भी प्रॉपर्टी के लिए ऐसा डिजाइन तैयार करना, जिससे वह सुंदर और व्यवस्थित दिखे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग एक विज्ञान है, जिसमें आपको जगह के बारे में अच्छी जानकारी होना जरूरी है, ताकि छोटे-से-छोटे एरिया को आकर्षक बनाया जा सके। आज छोटे शहरों और गांवों से लोग बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं और कम जगह में ज्यादा लोगों को घर देने के लिए जो फ्लैट कल्चर पैदा हुआ है, उसने भी इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका बहुत खास बना दी है। छोटे-छोटे घरों में पूरे परिवार के हिसाब से सामान व्यवस्थित करना, ताकि कम जगह में भी घर खूबसूरत लगे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर ही कर सकता है। वैसे तो इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में स्पेशलाइजेशन वाला कोर्स है, लेकिन इसके अंतर्गत ऑफिस डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग, रूम्स डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग और होम डेकोर में एक्सपर्टीज हासिल कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर का काम काफी चुनौतीपूर्ण होता है। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए पूरी टीम से सहयोग बिठाना होता है। साथ ही, कस्टमर के बजट और पसंद के मुताबिक घर को सजाना होता है। कई बार जो डिजाइन तैयार किया जाता है, वह ग्राहक को पसंद नहीं आता या वह उसमें कुछ बदलाव चाहता है। इसलिए बीच-बीच में उसको अपना काम दिखाते रहना होता है। इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका इसलिए भी अहम होती है कि वह अपनी ट्रेनिंग, क्रिएटिविटी और अनुभव के आधार पर ऐसे काम करता है, जिससे किसी भी स्पेस का सही और सुंदर रूप सामने आता है। वही तय करता है कि किसी भी घर को आकर्षक बनाने में किस तरह के रंगों का चयन किया जाए, सोफा, टेबल, डाइनिंग टेबल, बेड समेत पूरे फर्नीचर का लुक और डिजाइन कैसा हो। फैंसी लाइट्स और डेकोरेटिव सामान से घर को सजाना भी इंटीरियर डिजाइनर के जिम्मे होता है।

कहां-कहां मौके

अपना घर सजाना किसे अच्छा नहीं लगता? खासकर सेलिब्रिटी और हाई प्रोफाइल लोगों के बीच तो इंटीरियर डिजाइनर से अपने बंगले को खूबसूरत बनवाने का खूब चलन है। इंटीरियर डिजाइनिंग के प्रति लोगों का रुझान इस हद तक बढ़ चुका है कि वे खुद किसी स्पेस को डिजाइन करने की अपेक्षा प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेना पसंद करने लगे हैं। शादी, बर्थडे, एनिवर्सरी जैसे कई आयोजनों में सजावट के लिए इनकी सेवा लेने का चलन भी आजकल जोर पकड़ रहा है। इसलिए इनकी मांग खूब बढ़ रही है।छु घर और कमर्शियल प्रॉपर्टी में कम स्पेस में भी ज्यादा सामान को अच्छी तरह रखने के लिए इंटीरियर डिजाइनर की जरूरत होती है। शुरूआत में किसी आर्किटेक्चर फर्म, बिल्डर फर्म, पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, टाउन प्लानिंग ब्यूरो, होटल, रिसोर्ट, रेस्तरां, स्टूडियो वर्क प्लानर या कंसल्टेंसी में सहयोगी के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अपना काम शुरू करने का ऑप्शन भी इस फील्ड में काफी लोकप्रिय है।

क्वॉलिफिकेशन और कोर्स

इंटीरियर डिजाइनिंग में आप बारहवीं के बाद डिप्लोमा, डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद भी इस क्षेत्र में आना चाहें, तो पीजी डिप्लोमा, डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप इस फील्ड में बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, बीए इन इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, पीजी डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

इंटीरियर डिजाइनर के रूप में शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए महीना तक सैलरी मिल जाती है। शुरूआत में किसी फर्म में नौकरी करना उचित रहता है क्योंकि इससे काम करने का तरीका पता चलता है और प्रेक्टिकल नॉलेज के साथ-साथ अनुभव भी बढ़ता है।

स्किल्स

इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में आने के लिए क्रिएटिविटी और टेक्नोलॉजी की समझ होना जरूरी है। तभी आप इस फील्ड में बेहतर काम कर पाएंगे। डिजाइनिंग से जुड़े होने की वजह से यहां इमेजिनेशन अच्छी होनी चाहिए, ताकि आपके दिमाग में नए कॉन्सेप्ट आएं और उन आइडियाज को वास्तविक बना सकें। मार्केट में चल रहे ट्रैंड से अपडेट रहना और कस्टमर फ्रेंडली बिहेवियर आपके काम में मददगार साबित हो सकता है। इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर सफल होने के लिए रियल एस्टेट फील्ड की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि बिल्डिंग, घर या कमर्शियल प्लेस में किस तरह का मटेरियल इस्तेमाल हो रहा है और क्या लेटेस्ट डिजाइन चल रही है।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना आसान

अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनिंग या प्रोडक्शन में दिलचस्पी रखते हैं, तो टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में अपना करियर बना सकते हैं।

सभी देश के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है। भारत में भी इस इंडस्ट्री का देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग व इंजीनियरिंग के सुनहरे भविष्य के मद्देनजर अगर इसे दुनिया की एक बड़ी उभरती हुई इंडस्ट्री कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए सरकार की संशोधित टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम से टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश होने और 30 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। भारत में यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्केंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं।

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग क्या है

अगर टेक्सटाइल सेक्टर की बात करें तो इसमें रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। इसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

इस इंडस्ट्री में आप मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं।

इन स्किल की जरूरत

अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

कोर्स पूरा होने के बाद आप आप इस फील्ड में टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रुपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

पर्सनैलिटी में इस तरह लाएं निखार

हम सभी अपने जीवन में तरक्की करना चाहते हैं और इसके लिए एक अच्छी जॉब पाने की हसरत हम सभी के मन में होती है। लेकिन एक अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन या फिर वर्क एक्सपीरियंस ही महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि आपकी पर्सनैलिटी का भी एक गहरा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को किस तरह कैरी करते हैं, उसका इंप्रेशन आपकी जॉब अपॉइंटमेंट से लेकर ग्रोथ तक पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी पर्सनैलिटी में निखार लाना चाहते हैं तो आप इन आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं-

कपड़ों पर दें ध्यान – कपड़े बिना बोले ही हमारी पर्सनैलिटी के बारे में काफी कुछ कह जाते हैं। इसलिए, जब भी आप तैयार होते हैं तो ओकेजन को ध्यान में रखकर रेडी हो। हमेशा सही तरह से ड्रेसअप होने से एक कॉन्फिडेंस आता है, जो आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। बॉडी पर बहुत अधिक टैटू, पियर्सिंग या भड़कीले कलर आपको अनप्रोफेशनल दिखा सकते हैं।

अपनी बॉडी लैंग्वेज पर काम करें – बॉडी लैंग्वेज आपके व्यक्तित्व के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके ओरल कॅम्युनिकेशन स्किल्स। यह आपके बारे में बहुत कुछ बताता है और लोगों को आपके बारे में सटीक अनुमान लगाने में मदद करता है। आपके चलने, बैठने, बात करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। सही बॉडी लैंग्वेज होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। हमेशा सीधा चलने की कोशिश करें और बोलते समय हमेशा आंखों का संपर्क बनाएं।

विनम्र रहें – जब बात पर्सनैलिटी की होती है, तो आपका व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। मसलन, हमेशा विनम्र रहें और सभी का मुस्कान के साथ अभिवादन करें। अपने साथियों की मदद करने में कभी भी संकोच न करें। इससे आपकी पर्सनालिटी में भी आत्मविश्वास आएगा। अपने जूनियर्स और सीनियर्स के लिए समान रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहें।

एक अच्छे श्रोता बनें – जब कोई आपसे बात करे तो दिलचस्पी से सुनें और उन्हें पूरा ध्यान और महत्व दें। इस दौरान आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें, ताकि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि आप उसे ध्यान से सुन रहे हैं। साथ ही, लोगों के बारे में बेहतर तरीके से जानने और उनसे बेहतर तरीके से जुड़ने में आपकी मदद करेगा।

करियर बना सकती है फोटोग्राफी

आपको फोटोग्राफी पसंद है और आप किसी सीन को बड़ी खूबसूरती से कैप्चर कर सकते हैं, तो इस कला को करियर बना सकते हैं।

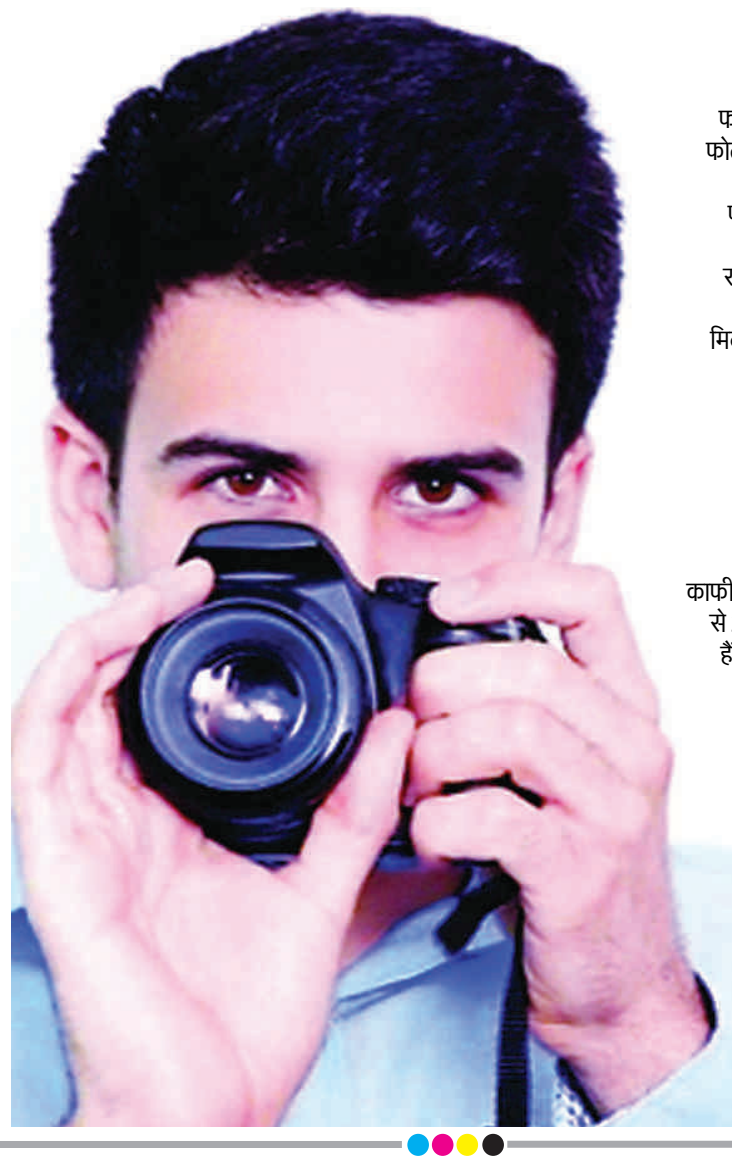

फोटोग्राफी के लिए इनोवेटिव होना जरूरी है ताकि किसी विजुअल को अलग ढंग से देख सकें और उसका महत्व समझ सकें। तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक सफल फोटोग्राफर बनने के लिए पैशन भी चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिये कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। सही पल को कैमरे में कैद करने की कला आएगी, तभी इस फील्ड में काम के साथ कमाई हो पाएगी। फोटोग्राफी एक टेक्निकल लाइन भी है। ऐसे में खुद को अपडेट रखना और कैमरे की टेक्नोलॉजी से परिचित रहना जरूरी है। जिन युवाओं का मन नौ से पांच की नौकरी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने का करता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है।

जॉब का स्कोप

फोटोग्राफी में ट्रेनिंग लेने के बाद प्रेस फोटोग्राफर, फैशन फोटोग्राफर, पोट्रेट फोटोग्राफर, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, फीचर फोटोग्राफर, फोरेंसिक फोटोग्राफर, साइंटिफिक फोटोग्राफर बन सकते हैं और फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं। यह एक ऐसा फील्ड है, जहां आपको अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी मिल सकता है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैग्जीन, विज्ञापन ब्रोशर आदि प्रकाशित करती हैं, जिनमें आकर्षक और स्टाइलिश तस्वीर के लिए फोटोग्राफर की खास भूमिका होती है। मीडिया, ट्रैवल, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री बूम करने से यहां फोटोग्राफी का भविष्य काफी उज्जवल है। रेगुलर जॉब में आप 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह कमा सकते हैं। बाद में प्रोफाइल के मुताबिक सैलरी बढ़ती जाती है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

फोटोग्राफी में बारहवीं और ग्रेजुएशन के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स और डिग्री ले सकते हैं। मीडिया के सब्जेक्ट में भी कैमरा पढ़ाया जाता है, जिसके बाद कैमरे की एडवांस ट्रेनिंग और पढ़ाई की जा सकती है।

इंडोनेशिया ने अक्षय ऊर्जा का प्रयोग बढ़ाने के वित्त पोषण से जुड़े समझौते

नुसा दुआ । इंडोनेशिया ने अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं और प्रमुख देशों के साथ अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने में मदद करने के लिए वित्त पोषण के समझौते किए। इन समझौतों के तहत उसे अरबों डॉलर का वित्त पोषण प्राप्त होगा। इंडोनेशिया के बाली में जारी जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर 20 अरब डॉलर के समझौते की घोषणा की गई। इसका उद्देश्य विकासशील देशों को कोयले और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद करना है जो कार्बन उत्सर्जन का कारण बनते हैं। यह कोयले के प्रमुख निर्यातकों में शुमार इंडोनेशिया के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें स्वच्छ ऊर्जा विकसित करने की प्रचुर संभावनाएं हैं।

बीरभूम में दो समूहों के बीच संघर्ष में 12 लोग घायल, दो की हालत गंभीर

सिउड़ी । पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में दो समूहों के बीच हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि घायलों में दो की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि घटना सैंथिया थाना क्षेत्र के बहारपुर गांव में सोमवार शाम को हुई। हिंसक झड़प में एक देसी बम भी फेंका गया। कई अन्य बम भी फटने से पहले बरामद कर निष्क्रिय कर दिए गए। भाजपा ने आरोप लगाया कि झड़प तृणमूल कांग्रेस के दो स्थानीय गुटों के बीच हुई, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा झड़प निजी कलह के चलते हुई और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। घायलों को पहले सिउड़ी अस्पताल ले जाया गया और वहां से गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बर्दवान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। दोनों की हालत अब भी गंभीर है। सिउड़ी से तृणमूल कांग्रेस विधायक विकास चौधरी ने कहा एक स्थानीय विवाद के चलते यह झड़प हुई। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि भाजपा की जिला इकाई के अध्यक्ष ध्रुबा सहाय ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस में जारी अंदरूनी कलह के कारण बीरभूम में पार्टी के गुटों में झड़प आम बात हो गई है। पुलिस अधीक्षक नागेंद्रनाथ त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा इलाके से कई देसी बम बरामद किए गए हैं। गांव में पुलिस की एक चौकी स्थापित की गई है। बम निरोधक दस्ते ने मौके से मिले कई बम उनके फटने से पहले बरामद कर निष्क्रिय कर दिए हैं। स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि तनाव व्याप्त है।

पाक पीएम शरीफ ने ऑस्कर के लिए नामित 'जॉयलैंड' पर बैन की समीक्षा का निर्देश दिया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ऑस्कर में पाकिस्तान की फिल्म 'जॉयलैंड' पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने को कहा है। प्रधानमंत्री के एक सलाहकार ने इसकी जानकारी दी। एक शादीशुदा पुरुष और ट्रांसजेडर महिला के बीच की प्रेम कहानी 'जॉयलैंड' अगले अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) के लिए पाकिस्तान की एंट्री है और इस फिल्म को इस साल कान फिल्म उत्सव में पुरस्कार मिल चुका है। मुस्लिम बहुल आबादी वाले पाकिस्तान में फिल्म को लेकर विवाद पैदा हो गया और देश के सेंसर बोर्ड ने फिल्म को रिलीज करने के अपने पुराने फैसले को पिछले सप्ताह पलटते हुए सिनेमाघरों में उसके प्रदर्शन पर रोक लगा दी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के एक सलाहकार सलमान सूफी ने ट्वीट किया कि 'जॉयलैंड' को देखने और उस पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है। पाकिस्तान में ट्रांसजेडर समुदाय के लोगों को समाज से बाहर माना जाता है। हालांकि देश में उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कुछ कानून भी हैं और सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में उन्हें थर्ड जेंडर का दर्जा दिया है। सूफी ने ट्वीट किया समिति शिकायतों का अध्ययन करेगी और उपर (जॉयलैंड) गौर करने के बाद पाकिस्तान में उसके रिलीज पर फैसला लेगी। उनसे विस्तृत जानकारी के लिए तत्काल संपर्क नहीं हो सका है। फिल्म के निर्देशक सैम सादिक ने प्रतिबंध को 'असंवैधानिक और गैरकानूनी' बताया है।

अपने चीनी समकक्ष से मुलाकात कर सकते हैं अमेरिकी जलवायु दूत जॉन केरी

शर्म-अल-शेख । अमेरिका में जलवायु से जुड़े मामलों के दूत जॉन केरी ने मंगलवार को संकेत दिया कि वह मिस्र में चल रही वार्षिक संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में अपने चीनी समकक्ष के साथ वार्ता कर सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सोमवार को हुई बैठक के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार के संकेत मिले हैं। दोनों ही दुनिया के प्रदूषण फैलाने वाले देशों की सूची में शीर्ष पर हैं। चीन के जलवायु मामले से जुड़े अधिकारी शी जिनहुआ से मुलाकात करने के सवाल पर केरी ने सटीक जानकारी दिए बिना कहा मैं उनसे कुछ समय में मुलाकात करूंगा। हम बात कर सकते हैं, हम देखेंगे कि क्या होता है। बाइडन ने सोमवार को बताया था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका के साथ जलवायु परिवर्तन वार्ता बहाल करने पर सहमति जतायी है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा के बाद शी ने वार्ता निलंबित कर दी थी।

ब्रिटेन ने अवैध प्रवासियों की समस्या से निपटने को फ्रांस से समझौता किया

- नये वित्तीय समझौते के तहत ब्रिटेन के विशेषज्ञ अधिकारी पहली बार अपने फ्रांसीसी समकक्षों के साथ जुड़ेंगे

लंदन । ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने फ्रांस के साथ एक नये समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत फ्रांस गश्त बढ़ाएगा ताकि उन अवैध प्रवासियों को रोका जा सके जो ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार करते हैं। भारतीय मूल की मंत्री ब्रेवरमैन नई व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए फ्रांस में हैं। नए वित्तीय समझौते के तहत ब्रिटेन के विशेषज्ञ अधिकारी पहली बार अपने फ्रांसीसी समकक्षों के साथ जुड़ेंगे। सीमा पर गश्त में मदद के लिए फ्रांस को ब्रिटेन का वार्षिक भुगतान 2022-23 में बढ़कर 7.2 करोड़ यूरो हो जाएगा, जो 2021-22 में 6.27 करोड़ यूरो था। ब्रिटेन-फ्रांस के नये संयुक्त समझौते के तहत, डोवर में इंग्लिश तट पर जाने वाले लोगों को रोकने के लिए कैलाइस में फ्रांसीसी तट पर गश्त करने वाले अधिकारियों की संख्या 200 से बढ़ाकर 300 की जाएगी। ब्रेवरमैन ने कहा कि यह कोई आसान हल नहीं है, लेकिन इस नई व्यवस्था का मतलब यह होगा कि हम उत्तरी फ्रांस में समुद्र तटों पर गश्त करने वाले फ्रांसीसी अधिकारियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि कर सकते हैं। साथ ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ब्रिटेन और फ्रांसीसी अधिकारी मानव तस्करों को रोकने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें लोगों को ये खतरनाक यात्रा करने से रोकने और आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। यह एक वैश्विक चुनौती है जिसके लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता है। इस जटिल समस्या को हल करने के लिए मिलकर काम करना ब्रिटेन और फ्रांसीसी, दोनों सरकारों के हित में है। ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी इस मुद्दे को पूर्ण प्राथमिकता के रूप में चिह्नित करते हुए कहा है कि उन्हें विश्वास है कि हम ऐसे मामलों को कम कर सकते हैं। समझौते की घोषणा लंदन में की गई और सुनक ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए इंडोनेशिया जाते समय संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि अभी ब्रिटेन के लोगों की प्राथमिकता अवैध प्रवास को रोकना है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, इस साल अब तक 40,000 से अधिक लोग छोटी नावों में सवार होकर सीमा पार कर चुके हैं, जो पिछले साल 28,526 और उससे साल पहले 8,404 थी।

अमेजन ने 10,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को । एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन कथित तौर पर इस सप्ताह में कॉर्पोरेट और प्रौद्योगिकी भूमिकाओं में अपने लगभग 10,000 कर्मचारियों की छंटनी करने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी में कटौती अमेजन की डिवाइस यूनिट पर केंद्रित होगी। जिसमें वॉयस-असिस्टेंट एलेक्सा और इसके खुदरा और मानव संसाधन विभाग शामिल हैं। छंटनी की कुल संख्या अभी निर्धारित नहीं की गई है, लेकिन अगर यह लगभग 10,000 है, तो यह अमेजन के कॉर्पोरेट कर्मचारियों के लगभग 3 प्रतिशत को कम करेगी और यह कंपनी के कार्यबल के 1 प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करेगा। जो विश्व स्तर पर 1.5 मिलियन से अधिक को रोजगार देता है। अमेजन कर्मचारियों की छंटनी करने वाली नवीनतम प्रौद्योगिकी कंपनी भी बन जाएगी। इस साल की शुरूआत में, ई-कॉमर्स की दिग्गज कंपनी ने रिपोर्ट के अनुसार विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार का हवाला देते हुए अपने तकनीकी कर्मचारियों के लिए नकद मुआवजे की सीमा को दोगुना कर दिया। बदलते बिजनेस मॉडल और अनिश्चित अर्थव्यवस्था के कारण पूरे टेक उद्योग में छंटनी हो रही है। एलोन मस्क ने इस महीने की शुरूआत में कंपनी को खरीदने के बाद ट्विटर के हेडकाउंट को आधा कर दिया और फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह 11,000 कर्मचारियों की छंटनी कर रही है, जो इसके कर्मचारियों की संख्या का लगभग 13 प्रतिशत है।

चीन में एक रोकेट नये उपग्रह को लेकर जुकान उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से निकला।

बाली में शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज

बाली । आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि वह शीघ्र ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जी-20 बैठक से इतर मुलाकात करेंगे। पिछले पांच सालों में, दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की यह पहली आमने-सामने की मुलाकात है। जब बाली में एक संवाददाता ने उनसे पूछा कि वह इस बात को लेकर कितने आशान्वित हैं कि इस भेंट के बाद चीन उन सरकारी एवं गैर सरकारी व्यापार बाधाओं को हटाएगा जिनकी वजह से हर साल आस्ट्रेलिया के निर्यातकों पर 13 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा है, तब उन्होंने इसका सीधा जवाब नहीं दिया। अल्बनीज ने कहा हम अच्छी भावना से इस वार्ता में हिस्सा ले रहे है। हमारी ओर से यह इस बातचीत के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं है।

यह भेंट उस द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़े बदलाव का संकेत है जिसमें आस्ट्रेलिया की पिछली कंजरवेटिव सरकार के नौ साल के शासनकाल में काफी गिरावट आ गयी थी। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि संबंधों में सुधार से दोनों देशों के मौलिक हितों की पूर्ति होगी लेकिन उन्होंने इस बैठक की पुष्टि नहीं की। प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में दैनिक ब्रीफिंग में कहा हम आशावान हैं, आस्ट्रेलिया परस्पर विश्वास फिर कायम करेगा तथा द्विपक्षीय संबंधों को सही दिशा में लाने पर जोर देगा। इससे पहले शी ने जून, 2017 में जर्मनी के हैम्बर्ग में जी-20 सम्मेलन के मौके पर तत्कालीन आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री मैलकम टर्नबुल से भेंट की थी।

गर्मजोशी से मिले जो बाइडेन और पीएम मोदी

भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ता अपनाने पर दिया जोर

बाली (इंडोनेशिया) (एजेंसी)।

भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस समय 17वें जी20 शिखर सम्मेलन (G-20 Bali Summit) में भाग लेने के लिए बाली गये हैं। भारत की उपस्थिति को चिह्नित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 14 नवंबर को इंडोनेशियाई द्वीप बाली पहुंचे। सम्मेलन से सामने आये कुछ तस्वीरों मे आप देख सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पीएम मोदी के पास जाते है, अभिवादन करते हैं। शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले मुस्कुराते हुए दोंने देश के नेताओं के बीच मुलाकात हुई। पीएम मोदी को एक मिनट से अधिक समय तक बाइडेन से बात करते देखा जा सकता है। दोनों नेताओं ने जी 20 सत्र शुरू होने से पहले गर्मजोशी से गले लगाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता जेड तरार ने प्रेस से बात करते हुए कहा, राष्ट्रपति बाइडेन और पीएम मोदी के बीच दोस्ती है जो स्पष्ट है। जी20 कॉन्क्लेव से पहले प्रधानमंत्री को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से हाथ मिलाते हुए देखा गया और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को मुस्कान के साथ बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने 'संक्षिप्त चर्चा' की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा आपूर्ति पर किसी तरह के प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देने की जरूरत को मंगलवार को रेखांकित किया और स्थिरता सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए एक बार फिर कूटनीति के जरिए यूक्रेन विवाद को सुलझाने पर जोर दिया। मोदी ने वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी और यूक्रेन संकट के कारण उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों ने दुनिया में तबाही मचा दी है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला 'चरमरा' गई है।

प्रधानमंत्री ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर रूसी तेल व गैस की खरीद के खिलाफ पश्चिमी देशों के आह्वान के बीच ऊर्जा आपूर्ति पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाने का आह्वान किया। खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा पर बुलाए सत्र में मोदी ने कहा, 'भारत की ऊर्जा-सुरक्षा वैश्विक विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। हमें ऊर्जा की आपूर्ति पर किसी प्रतिबंध को बढ़ावा नहीं देना चाहिए और ऊर्जा बाजार में स्थिरता सुनिश्चित की जानी चाहिए।' इस सत्र में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सहित कई विश्व नेताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडोनेशिया के बाली में हो रहे शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा, '2023 तक हम अपनी जरूरत की आधी बिजली का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से करेंगे। समावेशी ऊर्जा परिवर्तन के लिए विकासशील देशों को समयबद्ध और किफायती वित्त व प्रौद्योगिकी की सतत आपूर्ति की जरूरत है।' प्रधानमंत्री मोदी ने चुनौतीपूर्ण वातावरण के बीच जी20 के नेतृत्व के लिए इंडोनेशिया की तारीफ की। मोदी ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन, कोविड-19 वैश्विक महामारी तथा यूक्रेन संकट और उससे उत्पन्न वैश्विक चुनौतियां.. इन सभी ने मिलकर दुनिया में तबाही मचा रखी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा गई हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, '' पूरी दुनिया में आवश्यक सामान का संकट है। हर देश के गरीब नागरिकों के लिए चुनौतियां अधिक हैं। उनके लिए रोजमर्रा की जिंदगी पहले से ही एक संघर्ष थी।''

रूस के विनाशकारी हमले रोकने को एकजुट हों जी-20 के सदस्य देश : जेलेंस्की

बाली (एजेंसी)।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने वीडियो संबोधन के माध्यम से बाली में जी 20 शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा अब समय आ गया है रूस के 'विनाशकारी' युद्ध को समाप्त किया जाए और हजारों लोगों की जान बचाई जाए। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि अब वह समय है, जब विनाशकारी युद्ध को रोका जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि इस युद्ध को रोका जा सकता है। इससे हजारों लोगों की जान बचेगी।

अपनी जानी-पहचानी सेना की हरी टी-शर्ट पहने और यूक्रेनी भाषा में बोलते हुए, जेलेंस्की ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित अन्य नेताओं को संबोधित किया। रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अनुपस्थिति में सम्मेलन में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हिस्सा लिया।

जेलेंस्की ने पुतिन की बयानबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी का रूस ने सहारा लिया। इसने बीजिंग को भी असहज कर दिया है। उन्होंने कहा कि परमाणु ब्लैकमेल के लिए कोई बहाना नहीं हो सकता है। 'जी 19' रूस को छोड़कर यह स्पष्ट करने के लिए स्पष्ट रूप से धन्यवाद। यूक्रेनी नेता ने संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के साथ अनाज सौदे के विस्तार को अनिश्चितकालीन करने का भी आह्वान किया, जो 19 नवंबर को समाप्त होगा।

मालूम हो कि यूक्रेन दुनिया के शीर्ष अनाज उत्पादकों में से एक है और जुलाई में सौदा होने तक रूसी आक्रमण ने इसके बंदरगाहों में 20 मिलियन टन अनाज को अवरुद्ध कर दिया था। जेलेंस्की ने अन्य बंदरगाहों पर विस्तार का आग्रह करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि हमारी निर्यात अनाज पहल अनिश्चितकालीन विस्तार की हकदार है। युद्ध कब समाप्त होगा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यूक्रेनी नेता ने रूस पर आने वाली सर्दियों से पहले प्रमुख बुनियादी ढांचे के खिलाफ हमलों के अभियान के साथ ठंड को एक हथियार में बदलने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

पाकिस्तान और अफगान सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प में कई पाक सैनिक मारे गए, बॉर्डर सील

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

एक स्थानीय पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक प्रमुख सीमा मार्ग को लेकर दोनों पक्षों के सुरक्षा बलों के बीच झड़प के बाद व्यापार और पारगमन बंद कर दिया गया है। स्पिन बोल्डक के अफगान जिले की सीमा से लगे चाहमन शहर के उपायुक्त अब्दुल हमीद ज़हरी ने बताया कि एक दिन पहले दोनों ओर से सुरक्षा बलों के बीच लंबी गोलीबारी के बाद बंद हुआ। ज़हरी ने आगे कहा कि दोनों ओर से देर रात तक गोलीबारी जारी रही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच व्यापार और सीमा क्रॉसिंग को चाहमान में निलंबित कर दिया गया था। तालिबान प्रशासन के आंतरिक मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के सीमा बलों के बीच झड़प हुई थी। उन्होंने कहा कि यह एक गलतफहमी के कारण था और घटना की जांच की जा रही है। वहीं पाकिस्तान की सेना के मीडिया विंग के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे स्थिति को देख रहे हैं कि घटना का क्या कारण था।

जेहरी ने कहा कि संघर्ष तब शुरू हुआ जब सीमा पार से अफगानिस्तान की ओर से आ रहे एक व्यक्ति ने पाकिस्तानी सुरक्षा बल के एक सदस्य को गोली मार दी, जिसमें वह मारा गया और अन्य घायल हो गए। दोनों पक्षों के हताहतों की कुल संख्या तत्काल स्पष्ट नहीं थी। आशंका है कि इस झड़प में पाकिस्तान सेना के कई सैनिक मारे गए हैं। झड़प के बाद स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने कहा कि माल से लदे सैकड़ों ट्रक दोनों तरफ इंतजार कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में जब से तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया है, तो तालिबान लड़ाकों और पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के बीच कई बार झड़प हुई है, जबकि अफगानी आतंकवादियों ने पाकिस्तानी बलों पर कई बार हमला किया है।

इमरान खान ने पाक सेना पर फिर साधा निशाना, स्वतंत्र संस्थाओं को कमजोर करने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर सेना पर निशाना साधा है और स्वतंत्र संस्थाओं को अतीत में कमजोर करने तथा राजनीतिक वंशवादियों के साथ मिल कर काम करने का आरोप लगाया। खान (70) के अप्रैल में प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद पिछले कुछ महीनों से सेना से उनकी तकरार जारी है। खान ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, गृह मंत्री राणा सनाउल्ला और मेजर जनरल फैसल नसीर उसी तरह से उनकी हत्या करने की साजिश में शामिल हैं, जिस तरह की एक घटना में 2011 में पंजाब के पूर्व गवर्नर सलमान तासीर की हत्या कर दी गई थी।

खान पर हाल में हमला हुआ था और एक पैर में गोली लगने से वह घायल हो गये थे। उन्होंने फाइनेंशिल टाइम्स को दिये एक साक्षात्कार में कहा, ''सेना पाकिस्तान के लिए मेरी भविष्य की योजनाओं में रचनात्मक भूमिका निभा सकती है। '' उन्होंने ब्रिटिश अखबार से कहा, ''लेकिन उसे संतुलित रहना होगा। आप के पास एक ऐसी निर्वाचित सरकार नहीं होनी चाहिए, जिसे जिम्मेदारी तो जनता ने सौंपी हो, लेकिन प्राधिकार कहीं और स्थित हो।'' खान ने आरोप लगाया कि सेना ने पूर्व में शरीफ परिवार जैसे राजवंशों के साथ स्वतंत्र संस्थाओं को कमजोर किया और इस तरह से व्यवहार किया, जैसे कि ''वे कानून से ऊपर हों।

वैज्ञानिकों ने पहली बार कांच की सतह पर देखी सरफेस मेल्टिंग

बर्लिन (एजेंसी)।

बर्फ हमेशा बर्फ नहीं होती है। जमने से काफी नीचे के तापमान पर भी, इसकी सतह पर अर्ध-तरल परमाणुओं की एक परत होती है। इस परत की मोटाई सिर्फ कुछ नैनोमीटर होती है। इस परत के बनने की प्रक्रिया को प्रीमेल्टिंग या 'सरफेस मेल्टिंग' कहा जाता है। यही वजह है कि आइस क्यूब फ्रीजर में भी एक साथ चिपक जाती हैं। बर्फ के अलावा, हमने क्रिस्टलाइन स्ट्रक्चर के कई मैटीरियल में प्रीमेल्टेड सरफेस लेयर देखी है। यह क्रिस्टलाइन स्ट्रक्चर वह है, जिनके अंदर के परमाणुओं को हीरे, क्वार्ट्ज और टेबल सॉल्ट के अणुओं की तरह बड़े करीने से व्यवस्थित किया जाता है। अब, पहली बार, वैज्ञानिकों ने एक ऐसे पदार्थ में सरफेस मेल्टिंग देखी है, जो आंतरिक रूप से जर्जर है यानी कांच। कांच और बर्फ काफी हद तक एक जैसे दिखते हैं। लेकिन वे परमाणु पैमाने पर बहुत अलग होते हैं। जहां क्रिस्टलीय बर्फ अच्छी और सुव्यवस्थित होती है, वहीं कांच को हम एमॉर्फस सॉलिड कहते हैं। इसकी कोई वास्तविक परमाणु संरचना नहीं होती। बल्कि, इसके परमाणु बस इधर-उधर बिखरे होते हैं। इस वजह से कांच की सतह पर क्वासी लिक्विड प्रीमेल्टेड फिल्म को खोजना मुश्किल हो जाता है। इस लिक्विड परत का पता आमतौर पर बिखरने वाले न्यूट्रॉन या एक्स-रे से जुड़े प्रयोगों द्वारा किया जाता है, जो परमाणु क्रम के प्रति संवेदनशील होते हैं। जर्मनी में कोन्स्टांज विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञानी क्लेमेंस बेचिंगर और ली तियान का सोचना अलग है। परमाणु कांच के एक टुकड़े की जांच करने के बजाय, उन्होंने कोलाइडल कांच बनाया। चूंकि इस कोलाइडल कांच के स्फीयर परमाणुओं से 10,000 गुना बड़े होते हैं, इसलिए उनके व्यवहार को एक माइक्रोस्कोप से देखा जा सकता है और बेहतर तरीके से अध्ययन किया जा सकता है। माइक्रोस्कोपी और स्कैटरिंग का इस्तेमाल करके, बेचिंगर और तियान ने अपने कोलाइडल कांच की बारीकी से जांच की और उन्होंने सतह के पिघलने के संकेत देखे। यानी, सतह पर मौजूद कण नीचे मौजूद कांच के कणों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहे थे। यह अप्रत्याशित नहीं था। बल्क ग्लास का घनत्व सतह के घनत्व से ज्यादा होता है, जिसका मतलब है कि सतह के कणों के पास चलने के लिए ज्यादा जगह होती है। हालांकि, सतह के नीचे 30 कण व्यास तक मोटी एक परत में, कण बल्क ग्लास की तुलना में ज्यादा तेजी से आगे बढ़ते रहते हैं, तब भी जब वे बल्क ग्लास घनत्व तक पहुंच जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके नतीजे बताते हैं कि क्रिस्टल की तुलना में कांच की सतह का पिघलना गुणात्मक रूप से अलग होता है और एक सतह पर कांच की परत बनाता है।

कनाडा में सेना में भर्ती हो सकते हैं स्थायी निवासी, भारतीय मूल के लोगों को होगा फायदा

टोरंटो (एजेंसी)।

कनाडा के सशस्त्र बलों (सीएएफ) ने घोषणा की है कि स्थाई निवासियों को अब सेवाओं में भर्ती की अनुमति दी जाएगी, क्योंकि सेना जवानों की कमी का सामना कर रही है। कनाडा में स्थायी निवासियों में बड़ी संख्या में भारतीय शामिल है और सीएएफ के फैसले से उनके लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) के पुरानी भर्ती प्रक्रिया में बदलाव लाने की घोषणा करने के 5 साल बाद यह घोषणा की गई है। इस कदम से कनाडा में 10 साल से रह रहे स्थाई निवासियों को आवेदन करने की अनुमति होगी। नोवा स्कोशिया के 'रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट' के अनुसार, इससे पहले स्थाई निवासी केवल 'स्किलड मिलिट्री फॉरेन एप्लिकेंट' (एसएमएस) कार्यक्रम के तहत आवेदन दे सकते थे। अब सेना में भर्ती के इच्छुक उम्मीदवारों को कनाडा का नागरिक होना चाहिए, जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक (या 16, बशर्ते कि उनके पास माता-पिता की सहमति हो) हो और एक अधिकारी पद पर भर्ती के वास्ते आवेदन देने के लिए उनके पास ग्रेड 10 या ग्रेड 12 की शिक्षा की डिग्री होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची, सोनिया, राहुल और प्रियंका आएंगी गुजरात

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे कैंपेन समिति के चेयरमैन होंगे। गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी, राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी गुजरात आएंगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीस गढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कांग्रेस कई दिग्गज नेता भी गुजरात चुनाव में जनसभाएं करेंगे। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची के मुताबिक मल्लिकार्जुन खडगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, रमेश सी, दिग्विजयसिंह, कमलनाथ, भूपेन्द्रसिंह हुड्डा, अशोक चौहाण, तारिक अनवर, बीके हरिप्रसाद, मोहन प्रकाश, शक्तिसिंह गोहिल, रघु शर्मा, जगदीश ठाकोर, सुखराम राठवा, सचिन पायलट, शिवाजीराव मोघे, भरतसिंह सोलंकी, अर्जुन मोढवाडिया, सिद्धार्थ पटेल, अमित चावडा, नारणभाई राठवा, जिग्नेश मेवाणी, पवन खेडा, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैयाकुमार, कांतिलाल भूरिया, नसीमखान, परेश धानाणी, वीरेन्द्रसिंह राठौड, उषा नायडू, रामकृष्ण ओझा, बीएम संदीप, अनंत पटेल, अमरिंदरसिंह और इंद्रविजय गोहिल गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। बता दें कि गुजरात विधानसभा के दो चरणों में चुनाव होंगे। 1 दिसंबर को पहले चरण में कच्छ, सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात की 89 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। जबकि दूसरे चरण में 5 दिसंबर को अहमदाबाद समेत उत्तर और मध्य गुजरात की 93 सीटों पर मतदान होगा। गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे।

कश्मीर में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए थाईलैंड में होगा रोड शो

जम्मू। कश्मीर के टूर ऑपरेटरों ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए थाईलैंड में रोड शो आयोजित करने की योजना बनाई है ताकि घाटी के पर्यटन स्थलों का वहां प्रचार प्रसार किया जा सके। कश्मीर के टूर ऑपरेटरों का कहना है कि पिछले दो साल से कश्मीर में घरेलू पर्यटकों के आगमन का रिकॉर्ड इसलिए बन गया क्योंकि विदेशी आवागमन बंद था। कश्मीरी टूर ऑपरेटरों का मानना है कि अब जब सब कुछ खुल चुका है तो हो सकता है कि कश्मीर में पर्यटन व्यवसाय अपने पहले वाले स्वरूप पर ही आ जाये इसलिए विदेशियों को भी यहां आकर्षित करने के लिए हम अभियान चला रहे हैं। देखा जाये तो जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का ही सबसे बड़ा योगदान रहता है। संवाददाता ने जब कश्मीर टूर ऑपरेटर फोरम के सदस्यों से रोड शो के बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि थाई लोग हमेशा कश्मीर को अपने पसंदीदा गंतव्य के रूप में पसंद करते थे। इसलिए हम पर्यटन विभाग के सहयोग से थाईलैंड में रोड शो आयोजित करने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर टूर ऑपरेटर फोरम (PILTOF) की ओर से 23 नवंबर 2022 को थाईलैंड में एक मेगा रोड शो आयोजित किया जायेगा।

मैं जेल में रहूं या बाहर, 2024 के चुनाव में महाराष्ट्र में बनेगा एमवीए का मुख्यमंत्री : संजय राउत

मुंबई । जेल से बाहर आने के बाद से शिवसेना नेता संजय राउत महाराष्ट्र सरकार और भाजपा पर लगातार हमलावर हैं। संजय राउत ने दावा किया है कि 2024 के विधानसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) का मुख्यमंत्री बनेगा। अपने बयान में संजय राउत ने कहा कि मैं रहूं या न रहूं, लेकिन राज्य में सन 2024 में महा विकास आघाडी का मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने कहा कि शिवसेना का खून सस्ता नहीं है। संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में फिलहाल राजनीतिक माहौल अस्थिर है। संजय राउत ने कहा कि आने वाले दिनों में हमारे खिलाफ झूठे आरोप और झूठी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी, लेकिन हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। 2024 तक महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी का मुख्यमंत्री होगा। मैं जेल में रहूं या जेल से बाहर रहूं या फिर मुझे कोई कहीं भेज दें, लेकिन मैं अपनी बात पर कायम रखूंगा। इससे पहले संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र में राजनीतिक माहौल पूरी तरीके से दूषित हो गया है, यहां हर कोई एक दूसरे को खत्म करने निकला है। संजय राउत ने कहा था कि नफरत की भावना के साथ नेता अब एक ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां वे नहीं चाहते कि उनके राजनीतिक विरोधी जीवित भी रहें।

जनजातीय समुदायों ने अपनी कला, शिल्प और कड़ी मेहनत से देश को समृद्ध बनाया - द्रोपदी मुर्मू

-राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी 'जनजातीय गौरव दिवस' की बधाई

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की बधाई दी और कहा कि जनजातीय समुदायों ने अपनी कला, शिल्प और कड़ी मेहनत से देश को समृद्ध बनाया है। उन्होंने ट्वीट किया जनजातीय समुदायों ने स्वाधीनता संग्राम में महान योगदान दिया। मैं सभी ज्ञात-अज्ञात जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों, वीरों-वीरांगनाओं को नमन करती हूं। आजादी के बाद से देश की विकास-यात्रा में जनजातीय लोगों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके विकास और समृद्धि के लिए मेरी शुभकामनाएं। नरेंद्र मोदी सरकार ने प्रतिष्ठित जनजातीय नेता बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी। उन्होंने ट्वीट किया जनजातीय गौरव दिवस पर सभी देशवासियों, विशेषकर जनजातीय समाज के भाइयों और बहनों को मैं बधाई देती हूं। जनजातीय समुदायों ने अपनी कला, शिल्प और कठिन परिश्रम से राष्ट्र के जीवन को समृद्ध किया है। उनकी जीवनशैली, विश्व समुदाय को प्रकृति के संवर्धन की शिक्षा प्रदान करती है।

हादसों में मौत के आंकड़े कम करने हैं तो हेलमेट से जीएसटी हटाए केंद्र सरकार : आईआरएफ

नई दिल्ली । देश में सड़क हादसों में होने वाली मौतों के आंकड़ों पर लगाम लगाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है लेकिन इसके बाद भी हेलमेट पर भारी भरकम जीएसटी वसूला जा रहा है। ग्लोबल रोड सेफ्टी बॉडी इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से हेलमेट पर लगाए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को वापस लेने का आग्रह किया है। इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) के अध्यक्ष एमेरिटस केके कपिला ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कहा है कि सड़क दुर्घटना एक वैश्विक खतरा है और दुनिया भर में होने वाले कुल सड़क हादसों में अकेले भारत से तकरीबन 11 प्रतिशत मामले आते हैं। उन्होंने कहा सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, 2025 तक सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत कम करने के लिए, 2030 के अंत से पहले, हेलमेट पर कोई जीएसटी नहीं होना चाहिए। मौजूदा समय में हेलमेट पर जीएसटी की लागू दर 18 प्रतिशत है। फेडरेशन की मांग है कि ये एक जीवन रक्षक एक्सेसरीज़ है और इस पर लागू जीएसटी को हटा देना चाहिए है। जाहिर है कि, इसके पीछे फेडरेशन की मंशा यही है कि, लोग कम खर्च में उच्च गुणवत्ता वाले हेलमेट खरीद सकें और ज्यादा से ज्यादा इसका इस्तेमाल करें, ताकि सड़क हादसों के दौरान होने वाली मौत के आंकड़ों पर लगाम लगाई जा सके। कपिला ने कहा यह न केवल दोपहिया सवारों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने में मदद करेगा बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाले जीडीपी के नुकसान को कम करने में भी मदद करेगा। आंकड़े मोटे तौर पर बताते हैं कि हर साल लगभग 5,00,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1,50,000 से अधिक मौतें और 5,00,000 से अधिक लोग घायल होते हैं। इनमें से कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जिनमें घायल व्यक्ति के अंग भंग भी हो जाते हैं। इन दुर्घटनाओं में शामिल ज्यादातर लोगों की उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच होती है, जो कि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोग होते हैं। कपिला ने कहा कि हमारा देश पहले से ही सड़क दुर्घटनाओं, चोटों और मौतों के बढ़ते बोझ का सामना कर रहा है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के परिवहन अनुसंधान विंग की एक रिपोर्ट के अनुसार, साल 2019 में भारत भर में 480,652 सड़क दुर्घटनाओं में से कुल 151,113 लोग मारे गए, औसतन हर रोज 414 लोग या हर घंटे 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

अमित शाह का दावा, गुजरात में तोड़ देगी बीजेपी सारे रिकॉर्ड, सबसे ज्यादा सीटें जीतकर बनाएगी सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ी हुई है। गुजरात में नामांकन का दौर जारी है। इन सब के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी लगातार गुजरात में दौरे कर रहे हैं। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ तौर पर कहा है कि गुजरात में भाजपा अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इससे पहले अमित शाह गुजरात में कई उम्मीदवारों के नामांकन में पहुंचे हैं। गुजरात में पहले चरण का चुनाव 1 दिसंबर को होगा जबकि दूसरे चरण का चुनाव 5 दिसंबर को होगा। नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे। गुजरात में सत्ता वापसी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भाजपा ने फिलहाल गुजरात में पूरी ताकत झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी गृह राज्य गुजरात है। गुजरात में भाजपा को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस से बड़ी टक्कर मिल रही है। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी कह दिया था कि भूपेंद्र पटेल ही गुजरात के मुख्यमंत्री रहेंगे यदि भाजपा सत्ता में आती है। पटेल ने सितंबर 2021 में विजय रूपानी की जगह मुख्यमंत्री का पद संभाला था। वह भाजपा नेतृत्व का एक ऐसा कदम जिसने कई लोगों को चौंका दिया था। पटेल घाटलोडिया निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार विधायक बने हैं। उन्हें उसी सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया गया है। एक समाचार चैनल के साथ बातचीत में उन्होंने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी गुजरात में अपने सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ कर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। यहां एक मजबूत सरकार देकर हम एक सुरक्षित, सुविकसित और शिक्षित गुजरात बनाना चाहते हैं।

शाह ने कहा था कि किसी को घर देना, गैस कनेक्शन देना, किसी के घर में बिजली पहुंचाना, किसी को आयुष्मान का कार्ड देना, कोरोना के दौरान मुफ्त अनाज देना, ये रेवड़ी बांटना नहीं है, ये आम जनता के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है। उन्होंने कहा था कि देश में बहुत कम नेता हैं जो नरेन्द्र मोदी जैसा स्थाई सुशासन देने में सफल हुए हैं। नरेन्द्र मोदी ने ऐसा सुशासन दिया है, जो उनके बाद भी देश में जारी रहेगा। कश्मीर में लोकतंत्र 3 परिवारों (कांग्रेस, महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला) तक सिमट कर रह गया था। लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार में वहां लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर स्थापित किया गया है।

भागवत मस्जिद-मदरसा जाने लगे हैं, कुछ ही दिनों में पीएम मोदी भी पहनने लगेंगे 'टोपी' : दिग्विजय

इंदौर (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में जारी भारत जोड़ो यात्रा के असर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को मदरसा और मस्जिद जाने पर मजबूर होना पड़ा है और कुछ ही दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'टोपी' पहननी शुरू कर देंगे। दिग्विजय सिंह भारत जोड़ो यात्रा की आयोजन समिति के प्रमुख हैं।

उन्होंने इंदौर में यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के बीच संवाददाताओं से कहा भाजपा इन दिनों आलोचना के लिए राहुल गांधी को इसलिए चुन रही है, क्योंकि उनकी भारत जोड़ो यात्रा के एक महीने के भीतर भागवत मदरसा और मस्जिद जाने लगे हैं। कुछ ही दिनों में पीएम मोदी भी टोपी पहनने लगेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब और अन्य देशों में तो 'टोपी' पहनते हैं, लेकिन वह भारत लौटने के बाद सिर पर 'टोपी' नहीं लगाते।

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सात सितंबर से कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा का दो महीने के भीतर इतना असर हो गया है कि संघ के एक बड़े नेता को कहना पड़ा कि देश के गरीब लोग और गरीब तथा अमीर लोग और अमीर होते जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा आप देखिएगा, जब यह यात्रा अपने आखिरी मुकाम श्रीनगर पहुंचेगी, तब क्या होता है।

आदिवासी क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की जयंती पर मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में राज्य सरकार की ओर से आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शामिल होने से पहले दिग्विजय ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की भलाई के नाम पर केवल दिखावटी आयोजनों पर भरोसा करती है। दिग्विजय सिंह ने कहा हमें गर्व है कि द्रौपदी मुर्मू हमारे देश की राष्ट्रपति हैं। हम उम्मीद करते हैं कि वह मध्य प्रदेश में आदिवासियों को दी जाने वाली प्रताड़ना पर कुछ बोलेंगी। अगर वह इस विषय में नहीं बोलना चाहें, तो हमारे प्रतिनिधिमंडल को उनसे चर्चा का समय दे सकती हैं। उन्होंने कहा पिछली बार अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति बने थे। प्रधानमंत्री बताएं कि उनकी सरकार ने कोविंद के कार्यकाल के दौरान देश के करोड़ों दलितों के हित में क्या किया? गुजरात के आगामी विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की सक्रियता पर दिग्विजय ने कहा कि वह बरसों से बोलते आ रहे हैं कि ये पार्टियां संघ की 'कांग्रेस मुक्त भारत' परिकल्पना का हिस्सा और 'भाजपा की बी टीम' हैं। उन्होंने दावा किया कि दोनों पार्टियां (आप और एआईएमआईएम) सिर्फ अन्य दलों के वोट काटने के लिए चुनाव लड़ती हैं, ताकि भाजपा को मदद मिल सके।

अपने विधायकों-सांसदों के साथ 21 को कामाख्या देवी के दर्शन करने जाएंगे सीएम शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अपने गुट के सांसदों-विधायकों को लेकर कामाख्या देवी के दर्शन के लिए 21 नवंबर को गुवाहाटी जाएंगे। महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद वह पहली बार कामाख्या मंदिर जाकर वहां पूजा-अर्चना करेंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में उथल-पुथल के बाद जून के अंत में उद्धव ठाकरे की सरकार गिर गई थी। इसके बाद बागी एकनाथ शिंदे ने भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने एकनाथ शिंदे के साथ उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उसके कुछ दिन बाद शिंदे मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया। जिसमें शिंदे गुट के कई विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

बता दे कि जून महीने में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 40 से ज्यादा विधायकों के साथ मिलकर बगावत कर दी थी और भाजपा के साथ मिलकर नई सरकार का गठन कर लिया। शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी विचारधारा से हटकर कांग्रेस के साथ गठबंधन किया। साथ ही उन्होंने बागी विधायकों को तवज्जो नहीं देने का भी आरोप लगाया था। इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शिंदे ने भाजपा के सहयोग से सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया था। इसके बाद ही उन्होंने मान्यता मानी थी कि वह कामाख्या देवी के दर्शन करेंगे, लेकिन राजनीतिक वरीयताओं की वजह से वह जा नहीं पाए थे।

देश के 51 सांसदों के विरुद्ध जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच एजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया गया है कि करीब 51 सांसदों के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन-शोधन के मामले दर्ज हैं और इतने ही मामलों की सीबीआई जांच चल रही है। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा दायर एक जनहित याचिका में स्थिति रिपोर्ट में वकील स्नेहा कलिता द्वारा सहायता प्राप्त मामले में एमीकस क्यूरी, वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा 51 संसद सदस्य (सांसद-पूर्व सांसद) धन शोधन निवारण अधिनियम-2002 के तहत अपराधों से उत्पन्न मामलों में आरोपी हैं। हालांकि, केंद्र की स्थिति रिपोर्ट यह नहीं बताती है कि कितने मौजूदा सांसद हैं और कितने पूर्व सांसद हैं। उन्होंने कहा कि इसी अधिनियम के तहत अपराधों से उत्पन्न होने वाले मामलों में 71 विधायक-एमएलसी आरोपी हैं, लेकिन रिपोर्ट में यह नहीं दिखाया गया है कि कितने मौजूदा विधायक और एमएलसी हैं और कितने पूर्व हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2021 तक लंबित मामलों की कुल संख्या 4,984 है, जहां पांच साल से अधिक समय से लंबित मामले 1,899 हैं, जबकि दो से पांच साल के बीच के मामले 1,475 हैं और दो साल से कम समय से लंबित मामले 1,599 हैं। 4 अक्टूबर 2018 से अब तक कुल 2,775 मामलों का निपटारा किया जा चुका है। नशीली दवाओं के मामलों के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में किसी भी मौजूदा या पूर्व सांसद-विधायक के खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है और चार मामले राष्ट्रीय जांच एजेंसी के पास लंबित हैं, जिनमें से दो मौजूदा सांसदों-विधायकों के खिलाफ हैं। उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में हंसारिया न्याय मित्र की भूमिका निभा रहे हैं। 2018 में, शीर्ष अदालत ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने का निर्देश जारी किया और तब से इसने कई निर्देश जारी किए हैं, जिसमें केंद्र से मामलों में जांच में देरी के कारणों की जांच के लिए एक निगरानी समिति गठित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा दायर रिपोर्ट से पता चलता है कि सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की कुल संख्या 121 है, जिसमें 14 मौजूदा सांसद शामिल हैं, जबकि 37 पूर्व सांसदों ने सीबीआई के मामलों का सामना किया और पांच आरोपी सांसदों की मृत्यु हो गई। सीबीआई मामलों में शामिल कुल विधायकों की संख्या 112 है, जिसमें 34 मौजूदा विधायक और 78 पूर्व विधायक शामिल हैं, जबकि नौ अन्य की मृत्यु हो गई थी। स्पष्ट और अत्यधिक देरी की ओर इशारा करते हुए हंसारिया की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इन सांसदों-विधायकों के मामलों में से, आजीवन कारावास से दंडनीय मामले 58 हैं और जिन मामलों में आरोप तय नहीं किए गए हैं वे मामले 45 हैं।

केंद्र सरकार पर फिर बरसी ममता, कहा- राज्यों का बकाया चुकाना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन दिनों केंद्र सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। आज एक बार फिर से उन्होंने पैसे का मामला उठाया और मोदी सरकार पर निशाना साधा। दरअसल, ममता बनर्जी ने बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर एक प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। इसी दौरान ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि क्या विकास फंड लेने के लिए उन्हें पीएम मोदी के पैरों में गिर कर भीख माननी होगी? इतना ही नहीं, ममता बनर्जी ने मनरेगा फंड जारी नहीं होने का भी आरोप लगा दिया। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार से साफ तौर पर कहा कि या तो उन्हें राज्यों को पैसा देना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए।

अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि अपने वित्तीय बकाया के भुगतान के लिए क्या हमे केंद्र के सामने भीख मांगनी पड़ेगी। वे मनरेगा का कोष जारी नहीं कर रहे हैं। अगर भाजपा सरकार हमारे बकाया का भुगतान नहीं करती तो उसे सत्ता छोड़नी होगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आदिवासियों की जमीन उनसे कोई नहीं छीन सकता है। ऐसा वह कभी होने नहीं देंगी। तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ने यह भी कहा कि अगर ऐसा ही होता रहा तो मैं आप लोगों से कहूंगी कि ड्रम, तीर और कमान से केंद्र सरकार के अत्याचारों का विरोध करिए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब ममता बनर्जी हाल के दिनों में केंद्र सरकार पर हमला किया है। इससे पहले भी उन्होंने केंद्र सरकार पर लगातार निशाना साधा है। इससे पहले ममता ने दावा था कि राज्य के विरूद्ध एक साजिश रची जा रही है जिसके तहत सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को बदनाम किया जा रहा है। उसके तहत सरकार एवं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। जिन्हें बंगाल पंसद नहीं है, वे हमें (तृणमूल कांग्रेस को) बदनाम करते रहते हैं और साजिश रचते रहते हैं। इसके साथ ही बनर्जी ने कहा था कि यदि किसी व्यक्ति ने गलती की है तो उसे उन गलतियों को सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए। यदि कोई किसी गड़बड़ी में लिप्त है तो कानून अपना काम करेगा। लेकिन (यहां तो) मीडिया ट्रायल चल रहा है।

कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाना पं. नेहरू की सबसे बड़ी गलती : दरदीप पुरी

नई दिल्ली । देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कश्मीर मामले को बहुपक्षीय मंच पर ले जाना पं. नेहरू की 'ऐतिहासिक भूल' थी। पुरी ने कहा कश्मीर मसले को अंतरराष्ट्रीय अथवा बहुपक्षीय मंच पर क्यों ले जाया गया। मेरी जानकारी के अनुसार उस वक्त महाराजा हरि सिंह विलय पत्र पर हस्ताक्षर करके प्रसन्न थे और इतिहास विषय के छात्र के तौर पर मैने यही पढ़ा है। उन्होंने कहा लेकिन दिल्ली में राजनीतिक नेतृत्व कह रहा था कि वे इसे (विलय) अधिक व्यापक रूप में चाहते थे और और इसलिए जनमत संग्रह के पक्ष में थे। इसलिए वे इसे बहुपक्षीय मंच पर ले जाना चाहते थे। इससे बड़ी नादानी और कुछ नहीं हो सकती। मैं नादानी शब्द का प्रयोग बेहद सामान्य ढंग से कर रहा हूं। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू के आलेख के बारे में पुरी से पूछा गया था कि क्या वह इससे सहमत हैं, इसके बाद पुरी का यह बयान आया है। पुरी ने कहा यह एक गलती थी, अथवा फैसला था। आप इसे व्यक्ति द्वारा की गयी गलती कह सकते हैं लेकिन आप इसे उचित नहीं ठहरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक तथ्य आपके सामने है कि (बहुपक्षीय मंच) पर जाना अथवा जनमत संग्रह के लिये कहना नादानी नहीं बल्कि यह एक भयंकर भूल थी। इसलिये मैं अपने दोस्त और कैबिनेट के सहयोगी किरेन रीजीजू से पूरी तरह सहमत हूं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने कहा कि यह नेहरू की गलती थी जिसके कारण पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में गड़बड़ी फैला रहा है। उन्होंने कहा क्योंकि आपने गलती की, इसलिये दूसरे लोग इसका फायदा उठा रहे हैं। एक देश आतंकवाद को नीति की तरह इस्तेमाल कर रहा है। मैने 20 साल पहले ऐसा कहा था। मैंने कहा था कि यह सीमा पार से पैदा की गई समस्या है, लेकिन वे यह समस्या पैदा कर सकते हैं क्योंकि हमारी तरफ से किसी ने उन्हें ऐसा करने का मौका दिया है।

गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल को सरकारों के विरूद्ध खड़ा किया जा रहा है: सीताराम येचुरी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा एवं युवाओं की चेतना पर नियंत्रण कायम कर भारत को 'फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र' के रूप में तब्दील करने के भाजपा-आरएसएस के एजेंडे को लागू करने के लिए विश्वविद्यालयों से जुड़े मामलों में गैर भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल को ''सरकारों के विरूद्ध खड़ा किया जा रहा है।' केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के हाल के कदमों के विरूद्ध यहां राजभवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान अपने संबोधन में येचुरी ने कहा कि राज्यपाल पद को महज '' केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक मकसदों को आगे बढ़ाने का अंग बना दिया गया है।'

उन्होंने कहा, 'यह भारतीय लोकतंत्र के लिए विचित्र एवं बहुत स्वस्थ्य स्थिति नहीं है।'' इस प्रदर्शन में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे लेकिन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं थे। राज्यपाल फिलहाल दिल्ली में हैं। माकपा महासचिव ने कहा कि ''इस प्रकार की स्थिति केवल केरल में ही नहीं है बल्कि अन्य गैर भाजपा शासित राज्यों में भी है।' शहर के विभिन्न हिस्सों से सुबह मार्च निकालते हुए वाम समर्थक राजभवन पहुंचे और वहां फिर येचुरी ने प्रदर्शन की शुरुआत की। येचुरी ने कहा, 'एक ऐसी स्थिति बन गयी है जहां राज्यपाल को राज्य सरकारों, राज्य के विश्वविद्यालयों के संदर्भ में राज्य सरकार के कदमों तथा विधानसभा से पारित कानून के अनुसार नियुक्त किये गये कुलपतियों के विरूद्ध खड़ा कर दिया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'शिक्षा को नियंत्रित करने का यह मामला इस धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक भारत को अपनी पसंद के फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र में तब्दील करने के भाजपा-आरएसएस के राजनीतिक डिजायन का अहम पहलु है और उसके लिए उसे शिक्षा तथा हमारे युवाओं की चेतना पर नियंत्रण करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस 'मस्तिष्क नियंत्रण' चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'वे रचनात्मकता नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि लोग दकियानूसी ढंग से सोचें, अंधविश्वास एवं अंधभक्ति का शिकार बनें, ताकि फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र की उनकी परियोजना साकार हो। केरल की उच्च शिक्षा उसकी राह में बाधा है, यही वजह है कि वे उसपर प्रहार कर रहे हैं।' येचुरी ने कहा, 'संवैधानिक प्रमुख के नाते राज्यपाल की भूमिका अब एक ऐसे कार्यालय के रूप में घटायी जा रही है जो केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक उद्देश्य को आगे बढ़ा रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि राज्यपाल और केंद्र दलील दे रहे हैं, 'और दुर्भाग्य से एक या दो न्यायिक घोषणाएं भी उसका समर्थन करती हैं'' कि राज्य के कानून यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप ही होने चाहिए। माकपा महासचिव ने कहा, ' कुछ अदालतों ने राय दी है कि यूजीसी दिशानिर्देश सर्वोच्च हैं। इसलिए, इसकी उपयुक्त समीक्षा हो तथा मैं मानता हूं कि सभी गैर भाजपा शासित सरकारों का उच्चतम न्यायालय जाने और वहां जाकर यह कहने पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए कि आप राज्यों तथा विधानसभाओं के राज्यों के विश्वविद्यालयों के मामलों में फैसला करने के अधिकारों में अतिक्रमण नहीं कर सकते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रयागराज पांडेसरा मिल में आग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत पांडेसरा जीआईडीसी स्थित प्रयागराज मिल में आग लगने की घटना प्रयागराज मिल आग लगते ही अफरातफरी का माहौल बन गया है। फायर ब्रिगेड के सूत्रों के मुताबिक, उन्हें रात ८ः४७ बजे आग लगने की सूचना मिली। जिसके अनुसार पांडेसरा थाने के पास स्थित प्रयागराज डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल में आग लग गई. पांडेसरा फायर ब्रिगेड के अलावा शहर के अन्य दमकल केंद्रों की गाड़ियां घटनास्थल पर आ गईं. और आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। हालांकि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। स्थिति को देखते हुए फायर ब्रिगेड ने इस घटना को ब्रिगेड कॉल यानी बिग फायर कॉल के रूप में घोषित किया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा फिल्म आधारित ‘शरारत से सफलता तक’ पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने सोमवार को फिल्म-आधारित प्रशिक्षण सत्र के हिस्से के रूप में इसे और अधिक रोचक बनाने के लिए उद्यमियों के लिए एक ज्ञान आधार सत्र का आयोजन किया। च्शरारत से सफल तकज् पर एक प्रशिक्षण सत्र 14 नवंबर, 2022को शाम 6ः00 बजे समृद्धि, नानपुरा, सूरत में आयोजित किया गया था। जिसमें सूरत के एक प्रशिक्षक और प्रबंधन सलाहकार चिराग देसाई ने फिल्म बदमाश कंपनी से आवश्यक सामग्री और प्रस्तुति के माध्यम से व्यवसायियों को उनकी ताकत की पहचान करने और व्यवसाय में नैतिक रूप से अभ्यास करने के लिए निर्देशित किया।

फिल्में मनोरंजन के साथ व्यवसाय में सफलता के लिए प्रोत्साहीत भी करती हैः बोडावाला

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वर्षों से फिल्में बहुत महत्वपूर्ण रही हैं। फिल्में न केवल लोगों को मनोरंजन का मंच प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें जीवन और व्यवसाय में सफलता की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी करती हैं।

उद्यमियों को अपनी ताकत की पहचान करनी चाहिए

प्रवक्ता चिराग देसाई ने कहा कि फिल्म के अभिनेता शाहिद कपूर को अपने पिता अनुपम खेर की तरह इस फिल्म में काम करना पसंद नहीं है लेकिन वह बिजनेस में सफल होना चाहते हैं। इससे पता चलता है कि आज की युवा पीढ़ी विभिन्न व्यवसायों में उद्यम करना चाहती है। वह अपने जुनून में करियर बनाना चाहता है और स्टार्ट-अप करना चाहता है लेकिन उसे घर से आर्थिक मदद नहीं मिलती है। लेकिन एक व्यवसाय केवल पैसे से ही नहीं बल्कि एक अच्छे विचार से भी शुरू किया जा सकता है, इसलिए उद्यमियों को अपनी ताकत की पहचान करनी चाहिए और व्यवसाय में उनका सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। उन्हें व्यवसाय की व्यावसायिक संस्कृति में धीरे-धीरे अपना विकास करना चाहिए।

चार दोस्त गलत तरीके से बिजनेस में जाते हैं और मुश्किल में पड़ जाते हैं

फिल्म में दिखाया गया है कि जब चार दोस्त एक साथ बिजनेस शुरू करते हैं और बिजनेस डील करने के लिए विदेश जाते हैं, तो उन्हें भाषा की बाधा का सामना नहीं करना पड़ता है। इससे हमें पता चलता है कि कोई भी चीज हमें बिजनेस करने से नहीं रोक सकती। फिल्म की शुरुआत में चार दोस्त गलत तरीके से बिजनेस में चले जाते हैं और वे मुश्किल में पड़ जाते हैं। तब वे सफल होते हैं जब वे अपनी प्रतिभा का उपयोग करते हैं और सिद्धांतों और कानूनों के अनुसार व्यवसाय करते हैं। इसलिए व्यापार हमेशा सरकार की गाइड लाइन और कानूनों का पालन करते हुए करना चाहिए। व्यापार नैतिक रूप से करना चाहिए।

व्यवसाय में सफल होने के लिए गणनात्मक जोखिम उठाना पड़ता है

उन्होंने आगे कहा कि व्यापार में सम्मान के साथ सफलता जरूरी है। व्यवसाय में आपके साथ जुड़े भागीदारों या कर्मचारियों को निकाल नहीं दिया जाना चाहिए। क्योंकि उनका सहयोग और सहयोग मिलने से व्यवसाय में सफलता मिल सकती है, इसलिए अतीत में की गई गलतियों को सुधार कर नए विचारों पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में उचित प्रस्तुतिकरण भी आवश्यक है। व्यवसाय में सफल होने के लिए गणनात्मक जोखिम उठाना पड़ता है। किसी व्यवसाय को विकसित करने के लिए ब्रांडिंग, मार्केटिंग और रणनीति बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी क्षेत्र का ज्ञान और अनुभव जीवन में हमेशा उपयोगी होता है।

मृणाल शुकल ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर पूरे कार्यक्रम का संचालन किया

चैंबर के ग्रुप चेयरमैन मृणाल शुकल ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। चैंबर की सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट कमेटी के सदस्य शैलेश खवानी ने स्पीकर का परिचय दिया।

चेंबर के मानद कोषाध्यक्ष भावेश गढ़िया ने सर्वेक्षण का धन्यवाद करते हुए सत्र का समापन किया।

गुजरात चुनाव : 89 सीटों पर 1362 प्रत्याशियों ने भरे पर्चे,

सूरत की 16 सीटों पर 256 नामांकन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गुजरात विधानसभा के पहले चरण में 89 सीटों पर चुनाव होना है और उसके लिए 1362 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। जिसमें सबसे अधिक सूरत की 16 सीटों पर 256 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है7 बता दें कि गुजरात विधानसभा के दो चरणों में

चुनाव होना है। पहले चरण में 89 सीटों पर 1 दिसंबर को और दूसरे चरण में 93 सीटों पर 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का सोमवार को अंतिम दिन था। 89 सीटों के लिए कुल 1362 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा है। जिसमें सबसे अधिक सूरत जिले की 16 सीटों के लिए 256 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा है। जबकि राजकोट, जामनगर और भावनगर में 110 से भी अधिक प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया है। दक्षिण गुजरात की डांग की 1 सीट पर सबसे कम 11 नामांकन दाखिल किए गए हैं।

पहले चरण के चुनाव के लिए गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, क्रिकेटर रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवा बा जाडेजा समेत अनेक उम्मीदवारों ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया| 1 दिसंबर को होनेवाले पहले चरण के चुनाव में कच्छ, सौराष्ट्र के मोरबी, पोरबंदर, राजकोट, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, भरुच और देवभूमि द्वारका समेत दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड जिलों की कुल 89 सीटों पर मतदान होगा। पहले चरण के चुनाव के लिए 17 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। जिसके बाद पहले चरण के चुनाव में उम्मीदवारों का चित्र साफ होगा। जबकि दूसरे चरण में उत्तर और मध्य गुजरात की कुल 93 सीटों पर 5 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण के चुनाव के नामांकन पत्रों की 18 नवंबर को जांच की जाएगी और 21 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आएंगे।